चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 204 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

17 जनवरी 2025 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

27 अधिकतम

10 न्यूनतम

Page-7

जिला अध्यक्षों के नाम तय होने के बाद अब निगाहें 20 जनवरी पर

शाह से मिले सीएम, मप्र भाजपा के नए बॉस के लिए अंतिम दौर की कवायद शुरू

भोपाल.दोपहर मेट्रो

मप्र भाजपा के जिलाध्यक्षों के नाम पर छाई धुंध हटने के बाद अब संगठन चुनाव के 'अंतिम दौर' का रास्ता साफ होने लगा है। इस दौर में नये प्रदेशाध्यक्ष का नाम तय होना है। उधर मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दिल्ली में हैं। माना जा रहा है कि इस मोर्चे पर भी वे पार्टी के शीर्ष नेताओं के संपर्क में हैं। उनकी केंद्रीय मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात हो रही है। हालांकि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने अभी प्रदेश अध्यक्ष को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं लेकिन माना जा रहा है कि सामान्य या आदिवासी वर्ग से कोई प्रदेश अध्यक्ष चुना जा सकता है। मौजूदा अध्यक्ष वीडी शर्मा के फिर नाम आने के भी कयास हैं लेकिन प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी करने चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान के 20 जनवरी के बाद भोपाल आने के बाद ही कुछ चीजें साफ हो सकती हैं। अभी तक भाजपा 47 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर चुकी है। यानी दो तिहाई से अधिक जिलों में नए जिलाध्यक्ष बनाए जा चुके हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि पार्टी इनके साथ भी प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव करा सकती है लेकिन माना जा रहा है कि अब बाकी जिलों में भी जिलाध्यक्ष के नाम एक-दो दिन में घोषित हो जाएंगे। मध्य प्रदेश में भाजपा के संगठनात्मक 62 जिले हैं।

भाजपा के गलियारो में चर्चा यही है कि आदर्श संगठनों में गिने जाने वाले मध्यप्रदेश में जब मुख्यमंत्री के तौर पर हाइकमान ने सत्ता का चेहरा बदला है तो क्या संगठन में भी अब बदलाव होगा? यह भी कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में मिली बंपर जीत का इनाम वीडी शर्मा को मिल सकता है। वैसे वीडी एक एक्सटेंशन ले चुके हैं। यह भी कहा जा रहा है कि नेतृत्व की राइट च्वाइस कौन बनेगा। सूत्र मानते हैं कि नए चेहरे के लिये मोहन यादव की राय भी महत्वपूर्ण हो सकती है। फिलहाल मध्य प्रदेश के सियासी गलियारों में जिन नामों की चर्चा है. उनमें हेमंत खंडेलवाल से लेकर अरविंद भदौरिया हैं और पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे नरोत्तम मिश्रा समेत आलोक शर्मा का नाम भी उछल रहा है। जानकारी के मुताबिक फरवरी तक भाजपा को अगले महीने नया अध्यक्ष मिल सकता है। इस बोर खास बात यह है कि पार्टी ने पार्टी ने आदिवासी बहुल जिला मंडला में गैर आदिवासी प्रफुल्ल मिश्रा को अध्यक्ष बनाया है। वहीं, झाबुआ में भानू भूरिया को रिपीट किया गया है जो आदिवासी हैं। भिंड में देवेंद्र नरवरिया को भी दोबारा अवसर दिया गया है। बचे हुए जिलाध्यक्षों की सूची भी आज व कल जारी हो जाएगी।

मोदी ने शुरू किया ग्लोबल एक्सपो

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो आज शुरू हो गया। इसमें पहली बार 34 ऑटोमोबाइल कंपनियां शामिल हो रही हैं। 1986 में आयोजित ऑटो एक्सपो के पहले एडिशन के बाद से ये संख्या सबसे ज्यादा है। इस एक्सपो का ऑफिशियल नाम 'द मोटर शो' है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इवेंट का उद्घाटन किया। इस बार मारुति सुजुकी, हुंडई, मर्सडीज, बीएमडब्ल्यू समेत कई बड़े ब्रांड अपने नए मॉडल शोकेज कर रहे हैं। कंपनियों का फोकस इलेक्ट्रिक गाड़ियों को पेश करने पर है। इसमें मारुति सुजुकी की ई-विटारा, हुंडई क्रेटा ईवी, एमजी की साइबस्टर और स्७, किआ की ईवी 6 फेसलिफ्ट और सिरोस, स्कोडा की एन्याक और एलरोक टाटा मोटर्स की हैरियर ईवी और सिएरा ईवी पेश की जाएंगी। इसके अलावा भारत में पहली सोलर कार ईवा और सरला एविएशन की फ्लाइंग टैक्सी भी पेश की जाएगी।

आधी रात को एम्स पहुंचे राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार देर रात दिल्ली में एम्स के बाहर मरीजों से मिलने जा पहुंचे। राहुल ने मरीजों से उनका हाल-चाल जाना साथ ही जिन दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा, उसके बारे में पूछा। सुबह राहुल ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा- बीमारी का बोझ, ठिठुराने वाली सर्दी, और सरकारी असंवेदनशीलता ङ्क एम्स के बाहर उन मरीजों और उनके परिवारों से मिला, जो दूर-दराज से इलाज की आस में आए हैं। इलाज की राह में वो सड़कों, फुटपाथ और सब-वे पर सोने को मजबूर हैं - ठंडी जमीन, भूख, और असुविधाओं के बीच भी बस उम्मीद की एक लौ जलाए बैठे हैं।

आईईडी विस्फोट में 2 जवान जख्मी

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह हुई जब गारपा गांव के पास अपने शिविर से बीएसएफ की टीम गश्त पर निकली थी। टीम जब गारपा गांव के बीच थी जब नक्स लियों ने आईईडी विस्फोट कर दिया, जिससे दो जवान घायल हो गए। इससे पहले गुरुवार को बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा प्लांट आईईडी की चपेट में आकर सुरक्षाबलों के जवान घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए बीजापुर अस्पताल लाया गया। वहीं पुलिस मुठभेड में मारे गये 12 नक्सलियो के शव भी बरामद कर लिये गये हैं।

आखिरी दिन लुढ़का शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 485 अंक गिरकर 76,557.79 अंक पर आ गया। ऐसे ही निफ्टी 144.75 अंक गिरकर 23,167.05 अंक पहुंच गया।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं पर नहीं बरसे फूल, सरकार ने कराई एफआईआर

प्रयागराज. एजेंसी

महाकुंभ में पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व पर समय से श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा नहीं होने के मामले में अब इस मामले में सरकार ने सख्त तेवर दिखाए हैं व एविएशन कंपनी के सीईओ, पायलट सहित तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोप है कि कंपनी ने बिना सूचना दिए हेलिकॉप्टर को अयोध्या भेज दिया था, जिस वजह से महाकुंभ में श्रद्धालुओं पर समय से पुष्प वर्षा नहीं हो सकी। यूपी के सिविल एविएशन डिपार्मेंट के परिचालन प्रबंधन केपी रमेश की तरफ से महाकुंभ नगर की कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट सीईओ रोहित माथुर, पायलट कैप्टन पुनीत खन्ना और परिचालक प्रबंधन के खिलाफ दर्ज हुई है। गौरतलब है कि योगी सरकार ने महाकुंभ में श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा का निर्णय लिया था जिसमें एम.ए हेरीटेज एविएशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को पौष पूर्णिमा के दिन सुबह से ही फूलों की बारिश की जिम्मेदारी दी गई थी. लेकिन बिना कोई सूचना दिए हेलिकॉप्टर को अयोध्या भेज दिया गया था, जिस वजह से श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा नहीं हो सकी. इसके बाद दूसरा हेलिकॉप्टर बुलाया गया और शाम 4ञ्के आसपास फूलों की वर्षा की गई।

दूसरा हेलिकॉप्टर बुलाना पड़ा

सैफ अली के हमलावर की तलाश में 35 टीमें, आरोपी का 35 घंटे से सुराग नहीं

अस्पताल में चल रहा इलाज, खतरे से बाहर

मुंबई, एजेंसी

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर चाकु से हमले के तीस घंटे बाद भी बाद अभी तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। माना जा रहा है कि आरोपी सैफ-करीना के घर में चोरी की नीयत से दाखिल हुआ था। हमलावर ने एक्टर पर चाकू से 6 बार वार किए थे। सैफ पर हमला करने वाले की धड़ पकड़ के लिए मुंबई पुलिस ने उसकी पहचान सीसीटीवी फुटेज के जरिए की है। आज मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध आरोपी हमला करने के बाद बांद्रा रेलवे स्टेशन के आसपास दिखाई दिया था। मुंबई पुलिस की टीमें पालघर जिले के वसई, नालासोपारा और अन्य इलाकों में हमलावर की तलाश कर रही है। हालांकि पुलिस ने आज एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है. उससे पूछताछ की जा रही है. यह संदिग्ध दिखने में हूबहू वैसा ही है, जैसा सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है। इस पर भी हाउस ब्रेकिंग के कई मामले हैं।

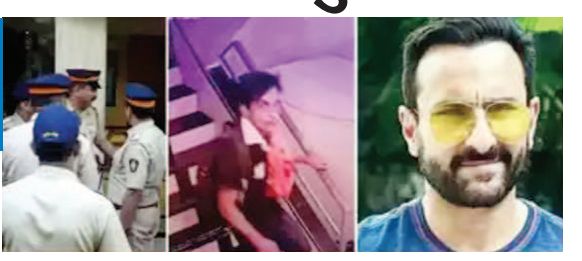

पुलिस ने कुल 35 टीम बनाई हैं। सैफ के घर एक एक पुरानी तलवार मिली है यह पुरानी और पुश्तैनी लग रही है। पुलिस का मानना है कि आरोपी ने सैफ के घर से भागने से पहले कपड़े बदले थे। सैफ के बेटे जेह की नैनी से पूछताछ की गई थी। हमलावर ने नैनी को बंधक बनाकर 1 करोड़ की मांग की थी। पुलिस ने घर में काम करने वाले सभी स्टाफ मेंबर, बिल्डिंग के गार्ड और बाकी लोगों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

शाहरुख के घर भी सीढ़ी लगाकर रैकी से मचा हड़कंप

उधर शाहरुख खान के घर की भी रेकी करने की खबर आई है। पुलिस को शक है कि सैफ पर हमला करने वाला व्यक्ति ही शाहरुख खान के बंगले पर रेकी करने वाला हो सकता है, क्योंकि शाहरुख खान के घर के पास लगे सीसीटीवी की फुटेज पुलिस के हाथ लगी है. इस फुटेज में दिखने वाले व्यक्ति की कद काटी और बॉडी स्ट्रक्चर उस सीसीटीवी वाले शख्स से मेल खाता है, जिसका फुटेज पुलिस ने सैफ की बिल्डिंग को सीढ़ियों से बरामद किया था।

स्टारशिप का 7वां टेस्ट नाकाम, ऑक्सीजन लीक होने से ब्लास्ट

इससे पहले पानी में लैंडिंग हुई थी

टेक्सास. एजेंसी

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का सातवां टेस्ट पूरी तरह कामयाब नहीं रहा। आज भारतीय समयानुसार सुबह 4 बजे टेक्सास के बोका चिका से रॉकेट लॉन्च किया गया। लॉन्चिंग के 8 मिनट बाद बूस्टर (निचला हिस्सा) अलग होकर वापस लॉन्च पैड पर आ गया। शिप में ऑक्सीजन लीक होने से ब्लास्ट हो गया। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। स्टारशिप में 6 रैप्टर इंजन लगे हैं। इससे पहले स्टारशिप का छठा टेस्ट 20 नवंबर को टेक्सास के बोका चिका से किया गया था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रम्प भी टेस्ट देखने के लिए स्टारबेस पहुंचे थे। इस टेस्ट में बूस्टर को लॉन्च करने के बाद वापस लॉन्चपैड पर कैच किया जाना था, लेकिन सभी पैरामीटर ठीक नहीं होने के कारण इसे पानी में लैंड कराने का फैसला लिया गया। वहीं स्टारशिप के इंजन को स्पेस में फिर से चालू किया गया। इसके बाद हिंद महासागर में लैंडिंग हुई।

मेट्रो एंकर

साढ़े छह घंटे तक अंतरिक्ष स्टेशन के बाहरी हिस्से की मरम्मत की

अंतरिक्ष में सुनीता ने किया स्पेसवॉक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मूल कीअमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अपने सहकर्मी निक हेग के साथ स्पेसवॉक के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर कदम रखा। यह विलियम्स का 12 वर्षों में पहला और करियर का आठवां स्पेसवॉक है। नासा ने कहा कि दोनों रखरखाव कार्य करने और हार्डवेयर बदलने का कार्य करेंगे। इस बीच, विलियम्स और विलमोर की पृथ्वी पर वापसी मिशन में फिर देरी होगी, क्योंकि स्पेसएक्स क्रू 10 के लान्च में मार्च 2025 के अंत तक की देरी हो गई है। दोनों को फरवरी में स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल से पृथ्वी पर लौटना था।एक पोस्ट में नासा ने बताया कि सुनीता विलियम्स और निक हेग न्यूट्रान स्टार इंटीरियर कंपोजिशन एक्सप्लोरर (एनआइसीईआर) एक्स-रे टेलीस्कोप की मरम्मत सहित स्टेशन के अपडेशन के लिए स्पेस स्टेशन के बाहर कदम रख रहे हैं। विलियम्स और हेग एक रेट जाइरो असेंबली को बदलने के लिए काम करेंगे जो स्टेशन के लिए ओरिएंटेशन नियंत्रण प्रदान करने में मदद करता है। वे अंतरराष्ट्रीय डॉकिंग एडाप्टरों में से एक पर नेविगेशनल डाटा के लिए उपयोग किए जाने वाले रिफ्लेक्टर डिवाइस को भी बदलेंगे। यह जोड़ी कनेक्टर टूल की जांच करेगी जिनका उपयोग अल्फा मैग्नेटिक स्पेक्ट्रोमीटर पर भविष्य के रखरखाव कार्य के लिए किया जाएगा। नासा ने कहा कि एक अन्य स्पेसवॉक 23 जनवरी को सुबह 8ञ्15 बजे शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि सुनीता के अंतरिक्ष में लंबे समय से अटके रहने की वजह से उनके स्वास्थ्य को लेकर कई चिंताएं व्यक्त की जाती रही है।

जून से अंतरिक्ष में फंसी सुनीता

सुनीता विलियम्स साथी अंतरिक्षयात्री बुच विल्मोर के साथ गत पांच जून को बोइंग के अंतरिक्षयान स्टारलाइनर से आइएसएस पहुंचे थे। उन्हें नौ दिनों में लौटना था, लेकिन नासा ने बाद में स्टारलाइनर को मानव यात्रा के लिए अनुपयुक्त घोषित कर दिया था, जिसके बाद स्टारलाइनर खाली धरती पर लौट आया था। अब मार्च के आखिर या फिर अप्रैल तक उनके धरती पर लौटने की संभावना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में एलन मस्क की स्पेसएक्स से प्रतिस्पर्धा के लिए कई कंपनियां प्रयास कर रही हैं। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन ने गुरुवार को अपनी पहली परीक्षण उड़ान में विशाल रॉकेट लॉन्च किया। 320 फुट ऊंचे न्यू ग्लेन रॉकेट को फ्लोरिडा से लॉन्च किया गया। इसके साथ एक प्रोटोटाइप उपग्रह को पृथ्वी से हजारों मील ऊपर कक्षा में भेजा गया। इसने उसी लॉन्च पैड से उड़ान भरी जिसका उपयोग आधी सदी पहले नासा के मेरिनर और पायनियर अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने के लिए किया गया था। **यह स्पेसवॉक** करीब साढ़े छह घंटे तक चली। ज्ञात हो कि नासा ने पिछले साल मई में अंतरिक्ष यात्रियों की स्पेसवॉक को रोक दिया था। दरअसल तब एक अंतरिक्ष यात्री के सूट के कूलिंग लूप (कूलिंग प्रणाली में पानी का उपयोग होता) से एयरलॉक (वह जगह जहां से अंतरिक्ष यात्री बाहर निकलते हैं) में पानी लीक होने लगा था। इस समस्या के दूर होने के बाद पहली बार किसी अंतरिक्ष यात्री ने स्पेसवॉक किया है।

मौसम में उतार-चढ़ाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सूर्य अब उत्तरायण में हैं। धीरे-धीरे ठंडक का प्रकोप कम होना चाहिए, लेकिन राजधानी के मौसम का मिजाज समझ से परे है। कभी ठंडक हो जाती है तो कभी मौसम गर्म हो जाता है।

कमलापति ट्रेड फेयर शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शौर्य और महिला शक्ति की प्रतीक रानी कमलापति के नाम पर आयोजित रानी कमलापति ट्रेड फेयर का बिट्टन मार्केट, दशहरा मैदान में शुभारंभ हुआ। इस ट्रेड फेयर में पहले ही दिन लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। यह फेयर महिला उद्यमियों, युवा उद्यियों के उत्पादों को बढ़ावा देने और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। फेयर में हर आयु वर्ग के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। यहां पर पारंपरिक हस्तशिल्प, कला और विभिन्न प्रकार के उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके अलावा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रानी कमलापति के शौर्य पर आधारित गीत का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ हैं। ट्रेड फेयर में 160 फीट लंबी आर्ट गैलरी लगाई गई है, जो आगंतुकों को इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है।

भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड की बस चलाने वाले प्राइवेट ऑपरेटरों पर मेहरबानी

कागजों में 852 लो फ्लोर बसें सड़क पर दौड़ रही महज 86

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड की बस चलाने वाले प्राइवेट ऑपरेटरों पर मेहरबानी का एक और मामला सामने आया है। बीसीएलएल से टेंडर लेकर शहर की सड़कों पर लो लोर बसों को चलाने के लिए दुर्गमा, एपी, मां एवं इनक्यूबेट कंपनियों ने वर्क आर्डर लिए थे इसके मुताबिक चारों ऑपरेटरों को मिलकर 852 बस लाकर शहर में चलानी थी। इनमें से किसी ने 100, किसी ने 90 तो किसी ने मिलकर 150 वाहन ही शहर की सड़कों पर उतारे हैं। पिछली बीसीएलएल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक में ये जानकारी बाबूओं ने जब मेयर मालती राय एवं डायरेक्टर मनोज राठौर को दी तो उन्हें हैरानी हुई थी। टेंडर में गड़बडी के चलते मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

डीजल महंगा होने का दिया जा रहा तर्क

बीसीएलएल द्वारा चार प्राइवेट बस आपरेटरों के माध्यम से लो लोर बसों के संचालन में हो रही गड़बड़ी के मामले में एसएलटीसी ने आपत्ति जताई। प्राइवेट ठेकेदार अभी तक वाहन लाकर शहर में क्यों नहीं चला रहे हैं और बीसीएलएल आखिर क्यों इस लापरवाही पर कार्रवाई नहीं कर रहा है इस पर कमेटी ने तत्काल एक्शन लेने कहा था। शासकीय कमेटी से मिले निर्देश के बावजूद बीसीएलएल ठेकेदारों से सवाल जवाब करने की बजाय किस्तों में आ रहे वाहनों का उद्घाटन करवाने में व्यस्त रहे।

दुर्गमा और एपी वर्ष 2017 में टेंडर लिया, 250 बस लाना थी लेकिन अभी सिर्फ 150 लाए

मां एसोसिएट ने वर्ष 2021 में टेंडर लिया, 300 वाहन लाने थे, अभी तक केवल 100 लाए

इनक्यूबेट हैदराबाद कंपनी ने वर्ष 2021 ने टेंडर लिया, 300 सीएनजी बस लानी थीं, अभी तक केवल 60 लाए

बाबूओं ने करवा दिया था उद्घाटन

किश्तों में आ रही बसों का उद्घाटन मेयर से कराने के बाद जब पिछली बोर्ड मीटिंग में टेंडर डॉक्यूमेंट पढ़े गए तो अनियमितता का खुलासा हुआ। मेयर ने इस बात पर नाराजगी जताई कि किश्तों में बसों के आने के बावजूद ऑपरेटरों पर कोई एक्शन नहीं हुआ। पूर्व प्रभारी संजय सोनी ने इस पर गोलमोल जवाब दिया जिस पर उनकी सेवा समाप्ती के आदेश दिए गए थे। चर्चा में पता चला कि बीसीएलएल की इस लापरवाही पर स्टेट लेवल टेक्निकल कंपनी ने भी आपत्ति जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बजाए कार्रवाई करने के अधिकारी महापौर के हाथों किस्तों में आ रही बसों का उद्घाटन करवा रहे थे।

फिल्म 'वध' की शूटिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। फिल्म वध की शूटिंग करने के लिए भोपाल आए फिल्म कलाकार संजय मिश्रा बड़ी झील किनारे फोटो शूट कराया पहल चित्र शूटिंग के दौरान का

-

फोटो निर्मल व्यास

सेवा कार्य: पूर्ण ज्योति सेवा संस्था कंबल बांटे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हिरदाराम नगर. पूर्ण ज्योति सेवा संस्था और भोले के दरबार ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कंबल का वितरण किया। शिव पुराण कथा वाचक मुकेशजीने कहा कि हमारी संस्था निर्धन परिवार की महिलाओं की मदद के लिए सदैव तत्पर रहती है। सेवा से बड़ी कोई पूजा एवं साधना नहीं है। इस अवसर पर भूमिका देवी, संत नरेश पारदासानी, पूज्य पंचायत अध्यक्ष माधू चंदवानी, हीरो फेंस क्लब के अध्यक्ष हीरो इसरानी, महेश खटवानी, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैया इसरानी, द लायन सिटी वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष कमलेश रायचंदानी, बजरंग सेना समिति के कमलेश देवानी आदि मौजूद रहे ।

165 फ्लैट तोड़कर 380 नए बनाएगा हाउसिंग बोर्ड

विरोध नाकाम, 5 नंबर पर टूटेगा बाजार, तनेंगी बहुमंजिलाएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में 5 नंबर बस स्टॉप स्थित रविशंकर शुक्ल मार्केट के री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का रास्ता अब साफ हो गया है। इस प्रोजेक्ट को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। यहां के दुकानदार और आसपास के रहवासी काफी समय से इस प्रोजेक्ट को लेकर विरोध कर रहेथे। शिवाीजी नगर क्षेत्र के इस इलाके के 12 लोगों की तरफ से याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में आरोप था कि एमपी हाउसिंग री-डेवलेपमेंट पॉलिसी-22 के नियमों को ताक पर रख कर यह प्रोजेक्ट निर्माण किया जा रहा है।

इस आपत्ति पर कोर्ट ने कहा है कि हाउसिंग बोर्ड इस प्रोजेक्ट को एमपी हाउसिंग री-डेवलेपमेंट पॉलिसी-22 के तहत कर रहा है। याचिका में इस पॉलिसी को कोई चुनौती

नहीं दी गई है। किसी को व्यक्तिगत असुविधा हो सकती है, लेकिन इस आधार पर व्यापक सार्वजनिक हित के कार्यों को नहीं रोका जा सकता। इस आदेश के बाद 45 साल पुराने जर्जर हो चुके आरएसएस मार्केट के री-डेवलपमेंट का रास्ता साफ हो गया है। नगर निगम द्वारा जर्जर घोषित कर दिए गए 45 साल पुराने आरएसएस मार्केट में कुल 165 मकान हैं। इसमें से 130 घर आमजन के हैं। जिसमें में से 101 रहवासियों ने बोर्ड के साथ एग्रीमेंट कर घर खाली कर दिया है। बाकी 5 मकान हाउसिंग बोर्ड व अन्य शासकीय विभागों के हैं। जिन लोगों ने मकान खाली कर दिया है। उन लोगों को हाउसिंग बोर्ड ने किराया देना भी शुरू कर दिया है। इस प्रोजेक्ट में 65 दुकान भी है। इन्हें अस्थायी रूप से शिफ्ट करने के लिए हाउसिंग बोर्ड ने पास में ही नई दुकानें भी बना ली हैं। हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक दुकानों की शिफ्टिंग भी अगले एक हफ्ते के अंदर भी शुरू कर दी जाएगी।

बताया जाता है कि राजीव गांधी टेक्निकल यूनिवर्सिटी ने आरएसएस मार्केट के भवनों का स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी टेस्ट किया था। इस रिपोर्ट में 45- 50 साल पुरानी इस इमारत को पूर्णत जीर्ण-शीर्ण बताया जा चुका था। लिहाजा, इसे री-डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट के तहत नए सिरे से विकसित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर हाउसिंग बोर्ड करीब 500 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है।

पांच मंजिला से सीधे 20 मंजिला !: बताया जा रहा है कि नए प्रोजेक्ट में यहां पर 20-20 मंजिला कुल 8 टावर बनेंगे। इनमें 1 बीएचके से लेकर 5 बीएचके तक के 380 फ्लैट और 129 दुकानें बनेंगी। अभी 65 दुकानें और 165 मकान हैं। नए प्रस्ताव के मुताबिक यहां वन बीएचके के 80, 2 बीएचके के 120, 3बीएचके के 40, 4 बीएचके के 120, 5 बीएचके के 20 फ्लैट और 129 नई दुकानें बनेंगी। इस तरह नए खरीदारों के लिए 215 फ्लैट और 64 नई दुकानें उपलब्ध होंगी।

संतनगर में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनेगा

आयोजन को अंतिम रूप दिया गया बैठक में

हिरदाराम नगर. संतनगर में श्री राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव समिति द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनाने का निर्णय लिया गया है । समिति के अध्यक्ष मोहन लालवानी, संयोजक कमल प्रेमचंदानी, महासचिव राजेश बेलानी द्वारा बताया गया कि राम लल्ला की पहली वर्षगांठ मनाई जाएगी। आयोजन को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा की नेतृत्व में बैठक की गई । बैठक में निर्णय लिया गया कि प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर बैरागढ़ को दुल्हन की तरह सजाया जायेगा एवं बस स्टेण्ड चौराहे पर हनुमान चालीसा, सुन्दर कांड, भजन कीर्तन होगा। यह आयोजन 22 जनवरी को बस स्टेण्ड संतनगर पर शाम 5 बजे किया जायेगा श्री राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा आयोजन समिति के प्रमुख रूप से बसंत चेलानी, कन्हैया इसरानी, नरेन्द्र लालवानी, गुलाब जेठानी, राकेश हरपलानी, भारती मूलचंदानी, किरण वाधवानी, जीतू कटारिया, वासुदेव झमटानी, पंडित जय शर्मा, हरीश केसवानी आदि प्रमुख रूप से बैठक में सम्मिलित हुए।

मेट्रो एंकर

कैलाश नगर में भगवत कथा का आयोंजना

भागवत कथा में कंस वध, रूकमणी विवाह हुआ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

कैलाश नगर स्थित साई बाबा रेजिडेंसी कॉलोनी में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजित किया जा रहा है जिसका समापन 17 जनवरी को होगा। कथावाचक पंडित देवेंद्र चतुर्वेदी कथा का वाचन कर रहे हैं। कथा के छठवें दिन गुरूवार को कंस वध एवं रुक्मणी विवाह का आयोजित किया गया यहां विधायक रामेश्वर शर्मा, पार्षद कुसुम चतुर्वेदी कथा में सम्मिलित हुई। भागवत कथा आयोजन के व्यवस्थापक आचार्य पंडित गंगाराम भार्गव ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया कथा का आयोजन सुरेशचंद्र खानदेश एवं डॉ सुबोध कुमार खानदेश द्वारा कराया गया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं को कहा कि आप अपने बच्चों को भी कथा में जरूर लेकर जाए, यहां कथा वाचक देवेंद्र चतुर्वेदी ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का बखान किया एक कंस वध एवं रुक्मणी विवाह के संदर्भ सुनाएं श्रद्धालु मौजूद थे अंत में पूजा अर्चना आरती के बाद सभी को प्रसाद का वितरण किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक गणमान्य नागरिक श्रद्धालु मौजूद थे।

जनप्रतिनिधियों के राजनीतिक करियर पर लग गया ब्रेक!

सहकारी दुग्ध उत्पादन समिति, दुग्ध संघ और एमपीसीडीएफ में राजनीति नहीं कर सकेंगे नेता, *क्योंकि* सरकार ने एनडीडीबी दी समिति और दुग्ध संघ, 5 साल तक चुनाव नहीं होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र की यादव सरकार ने सहकारिता क्षेत्र में राजनीति करने वाले भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों के राजनीतिक करियर पर 5 साल के लिए ब्रेक लगा दिया है। ये जनप्रतिनिधि 6 हजार दुग्ध उत्पादन समिति, 6 सहकारी दुग्ध संघ और एमपी कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) के चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे लेकिन सरकार ने इन सभी संस्थाओं को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को दे दिया है। अनुबंध पांच वर्षों के लिए हुआ है, जिसमें एक शर्त यह भी है कि एनडीडीबी इन संस्थाओं के बोर्ड बाहल नहीं करेगी। मतलब चुनाव नहीं होंगे। हालांकि वैसे भी इनमें से कुछ संस्थाओं में 12 साल और कुछ में 20 साल से चुनाव नहीं हुए है। यह जनता, किसान के लिए बड़ा क्षेत्र है, जिसमें चुने हुए जनप्रतिनिधि मिलकर कई निर्णय लेते है लेकिन चुनाव नहीं होने से इनमें अफसरों को बोलबाला रहता है।

सरकार का दावा– सुधरेगी की स्थिति, मिलेगा रोजगार

एनडीडीबी को संस्थाएं देने को लेकर सरकार का दावा है कि केंद्र से 1500 करोड़ रुपये का निवेश मिलेगा। सहकारी समितियों की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार होगी, मप्र में कुल उत्पादित दूध में से 20 फीसद का एकत्रितकरण, प्रोसेसिंग और विपणन सहकारी क्षेत्र में होगा। युवाओं को रोजगार, किसानों को अच्छा दाम और उपभोक्ताओं को सस्ता दूध मिलेगा। उल्लेखनीय है कि दुग्ध उत्पादन समितियों के समूह बनाए जाते हैं, इन समितियों में दूध बेचने वाले किसान संचालक चुनते हैं। इस तरह सभी संघों के लिए संचालक चुनकर दुग्ध संघों के बोर्ड में आते हैं और चेयरमैन चुनते हैं। 6 सहकारी दुग्ध संघ है, इनके एक-एक प्रतिनिधि एमपीसीडीएफ के बोर्ड में जाते हैं और वहां चेयरमैन चुनते हैं।

राज्य सरकार व एनडीडीबी के इस करार के प्रमुख बिंदु–

- 9 हजार सहकारी समितियां खोली जाएंगी। ये 18 हजार गांवों को कवर करेंगी। अभी 6 हजार समितियां हैं।
- प्रतिदिन 20 लाख किलोग्राम दूध का संकलन किया जाएगा।
- अभी 7 लाख पैकेट दूध की रोजाना बिक्री हो रही है, जिसे 15 लाख पैकेट किए जाएगा।
- 6 सहकारी दुग्ध संघों की कुल क्षमता 18 लाख लीटर है, जिसे 30 लाख लीटर किया जाएगा।
- दूध बेचने वाले सदस्यों की सालाना आय 1700 करोड़ से बढ़ाकर 3500 करोड़ की जाएगी।
- सहकारी ब्रांड का नाम सांची ही रहेगा, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा।

अरबी-उर्दू भाषा के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू, किताबें मिलेंगी फ्री

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र उर्दू अकादमी (संस्कृति परिषद) की निगरानी में संचालित राष्ट्रीय उर्दू भाषा एवं विकास परिषद नई दिल्ली के अरबी एवं फारसी (पर्शियन) भाषा के एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम और उर्दू डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश प्रारम्भ हो गए हैं। अरबी, फारसी और उर्दू भाषा सीखने के इच्छुक अभ्यर्थी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन 28 फरवरी तक कर सकते हैं। मप्र उर्दू अकादमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन पत्र मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी के कार्यालय, मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा रोड, भोपाल से कार्यालयीन समय में प्राप्त एवं जमा किये जा सकते हैं। पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सीमित संख्या में ही उपलब्ध हैं, प्रवेश पत्र समाप्त होने की स्थिति में उसकी छाया प्रति के साथ साथ आवेदन स्वीकार नहीं की जायेंगे। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रमों की कक्षायें 01 अप्रैल, 2025 से आवश्यक रूप से प्रारंभ हो जायेंगी।

उर्दू एवं अंग्रेजी लिखने और पढ़ने का ज्ञान आवश्यक

निदेशक डॉ. मेहदी बताया है कि अरबी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये उर्दू एवं अंग्रेजी की प्रारंभिक शिक्षा के अतिरिक्त उर्दू लिखने और समझने का ज्ञान भी आवश्यक है। इसी तरह फारसी पाठ्यक्रम में प्रवेश के

अरबी, फारसी और उर्दू भाषा सीखने के इच्छुक अभ्यर्थी 28 फरवरी तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

लिये उर्दू एवं अंग्रेजी लिखने और पढ़ने का ज्ञान आवश्यक है। उर्दू डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिये हिन्दी या अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक है।

अधिकतम आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं

तीनों पाठ्यक्रमों में अधिकतम आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि प्रवेश आवेदन पत्र के लिये प्रति पाठ्यक्रम 200 रुपए पंजीयन शुल्क जमा कराना होगा, इसके अतिरिक्त अन्य कोई शुल्क देय नहीं है। पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलने पर विद्यार्थियों को किताबें निःशुल्क दी जायेंगी।

ई-ऑफिस लागू करने वाली बिजली कंपनी के पांच वर्ष पूरे

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने समूचे कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कॉर्पोरेट से लेकर मैदानी दफ्तरों में ई-ऑफिस प्रणाली से काम करना पांच वर्ष पूर्व शुरू किया था। अब ई ऑफिस प्रणाली की सफलता के पांच वर्ष पूर्ण हो गए हैं। कंपनी का दावा है कि ई-ऑफिस प्रणाली से उपभोक्ताओं के कार्य जल्दी निपट रहे हैं और कार्यालयीन कार्य में समय की बचत हो रही है। कंपनी द्वारा दो दर्जन से भी अधिक आईटी के ऐसे अनुप्रयोग लागू किये हैं जो कि देश के पॉवर सेक्टर में एक मिसाल हैं। बताया जाता है कि इस प्रयगो के तहत कंपनी ने उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन बिल भुगतान, बिजली कनेक्शन, शिकायत एवं समाधान के लिए सरल संयोजन पोर्टल, (पीओएस) मशीन, इंस्टेंट बिलिंग सिस्टम, क्वालिटी कंट्रोल पोर्ट्ल, मैन्टीनेन्स एप,सेल्फ मीटर रीडिंग, क्यूआर कोड से भुगतान, नाम परिवर्तन, लोड बढाने का आवेदन, चैटबॉट सुविधा, ई-केवायसी, बिजली चोरी की आनलाइन गुप्त सूचना की सुविधा हेतु इनफार्मर स्कीम एवं इन्टरप्राईसेस रिसॉर्सेस प्लानिंग जैसे अनेक अनुप्रयोग कंपनी में लागू किए हैं जिसका उपभोक्ता और कंपनी को निरन्तर लाभ मिल रहा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ऑफिस की कार्यप्रणाली को परम्परागत फाइल वर्क्स से ई-ऑफिस प्रणाली की तरफ समग्र रूप से शिफ्ट कर दिया गया है। कॉर्पोरेट कार्यालय के सभी अनुभागों सहित क्षेत्रीय, वृत्त ,संभाग आदि कार्यालयों द्वारा ई-ऑफिस से कार्य संपादित किये जा रहे हैं।

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर बीयू में हुआ व्याख्यान एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय यूआईटी मैथमेटिक्स डिपार्मेंट द्वारा महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर व्याख्यान एवं प्रतियोगिताओं का तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. एस.के. जैन के मार्गदर्शन एवं यूआईटी डिपार्टमेंट के डायरेक्टर प्रोफेसर क गौर एन.के. निर्देशन में गणित विभागाध्यक्ष डॉ गरिमा सिंह द्वारा विशिष्ट विद्वानों के व्याख्यान एवं पी.पी.टी .मेकिंग, रंगोली, क्विज तथा पोस्टर निर्माण आदि बिषयक प्रतियोगिताओं का आयोजन 13 जनवरी से 15 जनवरी के मध्य संपन्न किया गया । भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित गणित तथा वैदिक गणित विषय की प्रदर्शनी सेंट्रल लाइब्रेरी में लगायी गई । विभिन्न प्रतियोगिताओं छात्र -छात्राओं ने बढ़ चढ के प्रतिभाएंदर्शायीं, जिसमें 24 प्रतिभागियों को पुरस्कार मिले। इसमें निमीषा रघुवंशी ने अपनी अपूर्व प्रतिभा दर्शाते हुए दो प्रथम पुरस्कार पी.पी.टी .एवं पोस्टर निर्माण में जीते। ऋषिता कुमारी को क्विज में प्रथम एवं कुमारी नीतू पंडित को रंगोली में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुए।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग करेगा जनसुनवाई

भोपाल। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा मध्यप्रदेश के पिछड़ा वर्ग समूह के लिए आज जन सुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मप्र के लिए दमामी, फूलमाली, कलार, लोड़ा और कुड़मी वर्ग को केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में सम्मिलित करने के लिये जन सुनवाई होगी। इन समुदायों के प्रतिनिधि या व्यक्ति 2-बी राजीव गांधी परिसर, 35 श्यामला हिल्स, भोपाल स्थित कार्यालय में दोपहर 12 बजे अपना पक्ष रखने के लिये उपस्थित हो सकते हैं। अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर की अध्यक्षता में जन सुनवाई होगी। इसमें पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल और भारत सरकार के राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव ए. नीरजा शामिल होंगी।

जनगणना फिर टलीट ,अब जून तक प्रशासनिक सीमा में बदलाव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश की आबादी का पता लगाने के लिये जनगणना का काम फिर से 6 महीने के लिए टाल दिया गया है। अब सरकार को 30 जून 2025 तक प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव करने की अनुमति दी गई है। इसके बाद सीमाओं को फ्रीज कर रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। जनगणना शुरू करने का फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय करेगा।

जानकारी के मुताबिक इस बारे में मुख्य सचिव को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि सरकार 30 जून 2025 तक जिलों, तहसीलों, गांवों, शहरों और अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में बदलाव कर सकती है। इसके बाद रिपोर्ट जनगणना निदेशालय को भेजनी होगी। ज्ञात हो कि देश में साल 2011 के बाद से जनगणना नहीं हुई है। तीन महीने पहले जनगणना निदेशालय मुख्य सचिव को पत्र लिखकर

15 साल से नहीं हुई जनगणना

कहा था कि 31 दिसंबर 2024 तक एमपी में सभी जिलों, गांवों, शहरों और तहसीलों व वन क्षेत्रों की प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज कर इसकी जानकारी दी जाए इसके बाद यह माना जा रहा था कि एक जनवरी के बाद कभी भी देश के अन्य राज्यों के साथ एमपी में भी जनगणना शुरू हो सकती है। इसमें यह भी कहा गया था कि प्रदेश के सभी संबंधित विभागों, खासतौर पर पंचायत और ग्रामीण विकास, नगरीय आवास और विकास विभाग, राजस्व विभाग और वन विभाग को यह निर्देश जारी करें कि राज्य की सभी प्रशासनिक इकाइयों, जैसे जिले, तहसील, राजस्व ग्राम, वन ग्राम, नगरीय निकाय और उनके वार्डों आदि की सीमाओं को बदलने की स्थिति हो तो यह काम 31 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाए। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय ने 8 अक्टूबर को पत्र लिखकर कहा था कि प्रदेश के मुख्य सचिव आगामी जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को 31 दिसंबर 2024 तक फ्रीज करने की कार्यवाही पूरी करेंगे। अगर कोई परिवर्तन होता है तो इसकी जानकारी जनगणना निदेशालय को 1 जनवरी 2025 से पहले दी जाए।

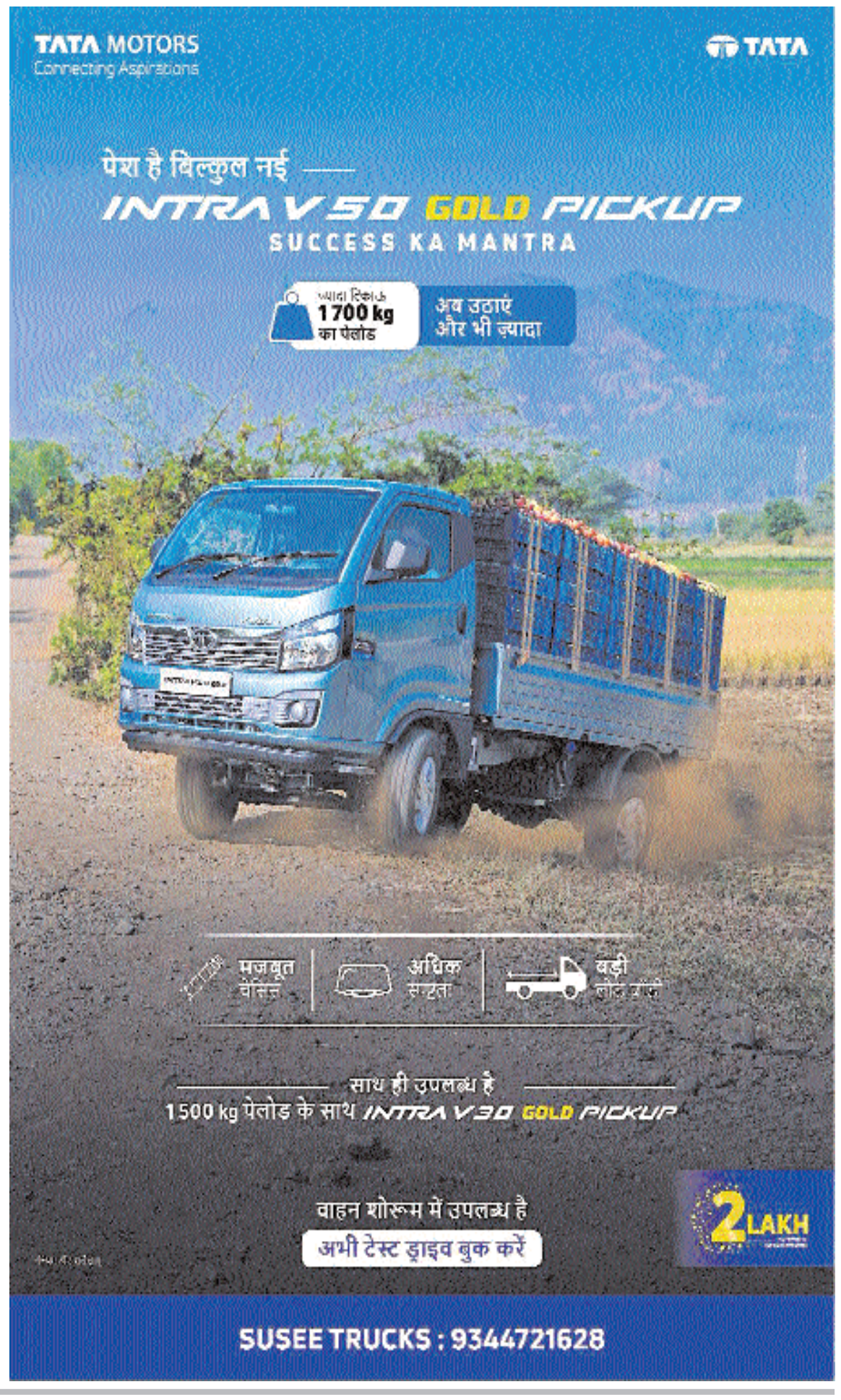

संपादकीय

यह जंग आसान नहीं

मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट के आंकडे सामने आने के बाद भी आर्थिक प्रबंधकों को बडी राहत मिलती नजर नहीं आती क्योंकि हाल के महीनों में नीतिगत जटिलता बढ़ी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित हाल में आए हैं। जो बताते हैं मुद्रास्फीति की दर 5.22 फीसदी के साथ चार महीनों के निचले स्तर पर है। नवंबर में यह दर 5.48 फीसदी थी। आंकड़े के रूप में भी यह गिरावट इतनी संतोषप्रद नहीं है कि यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि मौद्रिक नीति समिति फरवरी की बैठक में नीतिगत दरों में कमी शुरू करने की स्थिति में होगी। ताजा अनुमानों के मुताबिक एमपीसी का मानना है कि अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मुद्रास्फीति की दर औसतन 4.6 फीसदी रहेगी। दूसरी तिमाही में यह घटकर 4 फीसदी रह जाएगी। चूंकि उच्च खाद्य कीमतें मोटे तौर पर मुद्रास्फीति संबंधी निष्कर्षों से संचालित होती हैं इसलिए इस अनुमान के समक्ष काफी जोखिम हैं। बहरहाल अन्य आर्थिक हितधारक शायद एमपीसी और भारतीय रिजर्व बैंक को अगले कुछ महीनों के दौरान वास्तविक मुद्रास्फीति के नतीजों पर नजर डालने के लिए अधिक समय देने के लिए तैयार नहीं हो सकते। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि धीमी होकर 5.4 फीसदी रही। सांख्यिकी विभाग के पहले अग्रिम अनुमानों के मुताबिक अर्थव्यवस्था चालू वर्ष में 6.4 फीसदी की दर से बढ़ेगी। यह कोविड महामारी में आए संकुचन के बाद सबसे धीमी वृद्धि होगी। देश की अर्थव्यवस्था में 2023-24 में 8.2 फीसदी की दर से वृद्धि हुई। ऐसे में यह कहा जा रहा है कि वृद्धि की खातिर नीतिगत ब्याज दर में कमी करनी होगी। बहरहाल, एक बार फिर नीतिगत चयन इतना भी सीधा सपाट नहीं होगा। भारतीय रुपया दबाव में है और मुद्रास्फीति और वृद्धि संबंधी नतीजों पर इसका असर होगा। रिजर्व बैंक के सक्रिय हस्तक्षेप के बावजूद रुपया 2025 में अब तक एक फीसदी गिर चुका है। हालांकि इसका तात्कालिक रेखांकित करने वाला कारण खासतौर पर भारत से संबद्ध नहीं है। चूंकि भारत चालू खाते के घाटे से जूझ रहा है और अंतर को पाटने के लिए उसे शेष विश्व से धन चाहिए इसलिए भारी पूंजी बाहर जाने पर हालात जटिल बन सकते हैं। हाल के महीनों में विदेशी पूंजी बाहर जा रही है क्योंकि अमेरिका से अपेक्षाएं बदल गई हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व अब शायद दरों में कटौती में धीमापन लाए। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के आगमन के बाद नीतिगत बदलाव को देखते हुए परिदृश्य और बदल सकता है। ट्रंप ने अमेरिकी आयात पर शुल्क बढ़ाने का वादा किया है। अगर ऐसा होता है तो अमेरिका में महंगाई बढ़ेगी और मौद्रिक नीति संबंधी विकल्प भी बदलेंगे। ऐसे हालात में और अधिक राशि अमेरिका जाएगी क्योंकि बॉन्ड प्रतिफल में इजाफा होगा। इसके परिणामस्वरूप रुपये जैसी मुद्राओं पर दबाव बढ़ेगा। हालांकि रुपया वास्तविक संदर्भों में अधिमूल्यित है और भारत की बाह्य प्रतिस्पर्धा को बचाने के लिए उसका अवमूल्यन करना होगा लेकिन नॉमिनल गिरावट से आयात महंगा होगा और मुद्रास्फीति संबंधी निष्कर्ष प्रभावित होंगे। एमपीसी के मुद्रास्फीति संबंधी अनुमानों को ऐसी संभावनाओं में ध्यान में रखना होगा लेकिन अनिश्चितता के स्तर को देखते हुए यह आसान नहीं होगा। वहीं हालात को और जटिल बनाते हुए अमेरिका पर लगे नए प्रतिबंधों ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा किया है। यह मुद्रास्फीति पर और अधिक असर डालेगा। चूंकि वैश्विक माहौल अत्यधिक अनिश्चित है इसलिए सरकार के लिए बेहतर यही होगा कि वह बिना राजकोषीय लक्ष्यों को सीमित किए वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करे। यानि रिजर्व बैंक को कीमतों और वित्तीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए।

परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की बहुत जरूरत

■ ललित गर्ग

एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, क्योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना के निदान में भी उसकी भूमिका प्रभावी एवं कारगर रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा।

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार है। प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों एवं गरीब देशों के लिये विशेष रूप से वरदान है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत का जो प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, उसे पिछले एक दशक में देश-विदेश में व्यापक रूप से प्रतिष्ठापित किया गया है और भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, योग को दुनिया में फैलाया गया है। भारत में भीषण गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को

देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन- डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी, पारम्परिक उपचार प्रणालियों के अध्ययन और अभ्यास में क्रान्ति ला रही है। आयुष शब्द आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है। इसी आधार पर प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक समय में प्रासंगिक बनाने के लिये भारत सरकार में आयुष मंत्रालय बना है। इसी मंत्रालय के प्रयासों से जहां आयुष बाजार को विस्तार मिला, वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है। इससे रोजगार व उद्यमिता को भी नई ऊंचाइयां मिली हैं। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग, आयुर्वेद, भारतीय खानपान एवं जीवनशैली को वैश्विक मान्यता मिली है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने आधुनिक विज्ञान एवं टैक्नॉलॉजी के ज़रिये, पारम्परिक औषधि में निहित सम्भावनाओं को साकार करने के इरादे से एक वैश्विक केंद्र स्थापित किये जाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किये और गुजरात राज्य के जामनगर शहर में बनाए जाने वाले इस केंद्र की मदद से आमजन की सेहत में बेहतरी लाने और विश्व के हर क्षेत्र में सम्पर्क व लाभ सुनिश्चित किये जाने की योजना को आकार दिया जाने लगा है।

नये विश्व की विडम्बना है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती आधुनिक चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। पारम्परिक चिकित्सा उत्पादों और पद्धतियों के शोध का यह उपयुक्त समय है। दुनियाभर में लोग वैकल्पिक निदानों का रुख़ कर रहे हैं। इससे अधिक शोध व अधिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं और शोध के परिणाम बेहद आशाजनक दिख रहे हैं। प्राचीन संस्कृतियों द्वारा चिकित्सा हेतु प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अलावा, आधुनिक रोगों से निपटने के लिए पारम्परिक समुदाय-आधारित स्वास्थ्य प्रथाओं का भी अभूतपूर्व महत्व है। चेचक के टीके का विकास इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत की प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं रूझान को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उनको हम विज्ञान की कसौटी पर भी कसे। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति वैश्विक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समाधान करने में सक्षम एवं कारगर बन रही है तो हमें इस पर व्यापक शोध, अनुसंधान एवं प्रयोग को बल देना चाहिए। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। पारम्परिक चिकित्सा को पूर्व-वैज्ञानिक युग की पद्धति के रूप में देखा जाता है, जिसका स्थान आधुनिक, बेहतर, विज्ञान-आधारित चिकित्सा ने लिया। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा का प्रादुर्भाव, पारम्परिक उत्पादों व प्रथाओं से ही हुआ है, जिसका एक लम्बा इतिहास है। आज लगभग 40 प्रतिशत फ़ार्मास्युटिकल उत्पाद, प्रकृति और पारम्परिक ज्ञान से आते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण दवाएँ शामिल हैं।

प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां का आधार हमारे विचार, खानपान और प्रकृतिमय जीवन है, जो बीमारियों को पनपने नहीं देता, यदि फिर भी कोई बीमारी आ जाती है उसका सस्ता, सरल, प्रभावी एवं सुगम इलाज पारम्परिक चिकित्सा पद्धति में है। जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां को विस्तारित एवं सशक्त करते हुए हमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं करनी है बल्कि समन्वय करके इंसानों को स्वस्थ बनाने की दिशा में क्रांति का शंखनाद करना है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो बढ़ती बीमारियों एवं महामारियों की चिन्ता को दूर करने के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

धरती को गर्म करने में मंगल की भूमिका

■ मुकुल व्यास

मंगल का पृथ्वी के साथ एक अनोखा संबंध है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगल पृथ्वी की जलवायु को प्रभावित करता है। यह बात कुछ अजीब-सी लगती है कि मंगल का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी को सूर्य के करीब खींचता है, जिससे हमारी जलवायु गर्म होती है। नए शोध से मंगल के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र और पृथ्वी की जलवायु के बीच रिश्ते का संकेत मिलता है। 6.5 करोड़ वर्ष पुराने भूवैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि पृथ्वी पर गहरे समुद्र की धाराएं हर 24 लाख वर्षों में शक्ति के चक्रों से गुजरती हैं। इन चक्रों को 'खगोलीय विराट चक्र' कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार ये चक्र पृथ्वी और मंगल के बीच गुरुत्वाकर्षण संबंधों से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। गहरे समुद्र की धाराएं मजबूत और कमजोर चरणों के बीच बारी-बारी से आती हैं और समुद्र तल पर तलछट के संचय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। मजबूत धाराओं की अवधि के दौरान शक्तिशाली हलचल रसातल तक पहुंचती है और वहां जमा तलछट को नष्ट कर देती है।

सिडनी विश्वविद्यालय में भूभौतिकी के प्रोफेसर और अध्ययन के सह-लेखक डाइटमार मुलर ने बताया कि सौर मंडल में ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र एक-दूसरे के साथ हस्तक्षेप करते हैं। इस अंतःक्रिया के कारण मंगल का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव पृथ्वी को सूर्य के थोड़ा करीब खींचता है, जिससे सौर विकिरण बढ़ता है और जलवायु गर्म होती है। समय के साथ, पृथ्वी फिर से पीछे की ओर खिसकती है, और यह चक्र लगभग हर 24 लाख वर्ष में पूरा होता है। यह सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रभाव पृथ्वी के दीर्घकालिक जलवायु पैटर्न को आकार देने में भूमिका निभा सकता है। हमारे सौर मंडल में प्रत्येक ग्रह, चंद्रमा, क्षुद्रग्रह और यहां तक कि छोटे धूल कण गुरुत्वाकर्षण बलों के कारण एक बड़े पिंड के चारों ओर एक विशिष्ट पथ या कक्षा का अनुसरण करते हैं। मंगल और पृथ्वी अण्डाकार पथों में सूर्य की परिक्रमा करते हैं, लेकिन पृथ्वी सूर्य के करीब है और अपनी कक्षा में तेजी से चलती है। पृथ्वी को एक परिक्रमा पूरी करने में लगभग 365 दिन

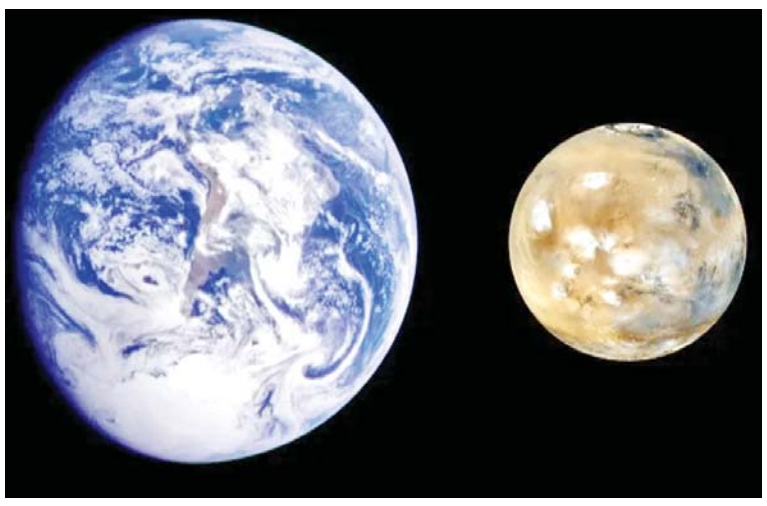

लगते हैं जबकि मंगल को लगभग 687 दिन लगते हैं।

शोधकर्ताओं ने लाखों वर्षों के दौरान समुद्र तल पर तलछट संचय का मानचित्रण करने के लिए उपग्रह डेटा का उपयोग किया। टीम ने भूगर्भीय रिकॉर्ड में अंतराल की खोज की, जिससे पता चलता है कि मंगल के प्रभाव के कारण गर्म अवधि के दौरान शक्तिशाली समुद्री धाराओं ने तलछट के जमाव को बाधित किया होगा। ये निष्कर्ष इन साक्ष्यों को बल प्रदान करते हैं कि मंगल के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव सहित खगोलीय यांत्रिकी, पृथ्वी की जलवायु को प्रभावित करती है। नए निष्कर्ष ग्रहों की कक्षीय यांत्रिकी और पृथ्वी की प्राकृतिक प्रणालियों के परस्पर संबंध पर जोर देते हैं, और इस बात पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करते हैं कि ब्रह्मांड लाखों वर्षों में हमारे ग्रह की जलवायु को कैसे आकार दे सकता है।

शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि गर्मी के इस प्रभाव का मानव गतिविधियों से हो रही वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग से संबंध नहीं है। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि ये चक्र उन परिदृश्यों में भी समुद्री धाराओं को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं जहां आज ग्लोबल वार्मिंग उन्हें कमजोर कर सकती है। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण धारा अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) है, जिसे अक्सर समुद्र की कन्वेयर बेल्ट के रूप में जाना जाता है। यह प्रणाली उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से उत्तरी गोलार्ध में गर्म पानी पहुंचाती है और गहरे समुद्र में गर्मी के वितरण को सुगम बनाती है।

हालांकि, कुछ वैज्ञानिक आने वाले दशकों में एएमओसी के संभावित पतन की भविष्यवाणी कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस धारा के बंद होने से हमारे समक्ष बड़ी चुनौतियां प्रकट हो सकती हैं। विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में गर्मी और उत्तरी एटलांटिक क्षेत्र में तूफान की घटनाएं बढ़ सकती हैं। एटलांटिक धारा के बंद होने से विश्व स्तर पर गर्मी और वर्षा का वितरण प्रभावित होगा। इसका पृथ्वी की जलवायु पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। पृथ्वी की जलवायु में समुद्री धाराओं की भी एक बड़ी भूमिका होती है। समुद्री धारा दरअसल गुरुत्वाकर्षण, हवा और जल के घनत्व द्वारा संचालित समुद्री जल का निरंतर दिशात्मक प्रवाह है। समुद्री धाराएं समुद्र में निर्धारित मार्गों का अनुसरण करती हैं। वे एक प्रकार से समुद्र में बहने वाली नदियां हैं। वे पानी की सतह पर हो सकती हैं या गहरे समुद्र में भी जा सकती हैं। कुछ धाराएं बहुत बड़ी हैं। जापान की कुरोशियो धारा का आयतन 6,000 बड़ी नदियों के बराबर है। दरअसल, समुद्री धाराओं की प्रणाली गर्मी के हस्तांतरण, जैव विविधता में भिन्नता और पृथ्वी की जलवायु प्रणाली के लिए जिम्मेदार है।

यदि कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसों का वर्तमान उत्सर्जन जारी रहता है, तो उष्णकटिबंधीय और एटलांटिक क्षेत्र के सबसे उत्तरी हिस्सों के बीच गर्मी, ठंड और वर्षा का पुनर्वितरण करने वाली महत्वपूर्ण समुद्री धाराएं वर्ष 2060 के आसपास बंद हो जाएंगी। यह निष्कर्ष डेनमार्क के कोपेनहेगन विश्वविद्यालय की नई गणनाओं पर आधारित है। अपने अध्ययन में इस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने भविष्यवाणी की है कि यदि हम ग्रीनहाउस गैसों का वर्तमान स्तर पर उत्सर्जन जारी रखते हैं तो समुद्री धाराओं की प्रणाली पूरी तरह से बंद हो जाएगी। उन्नत सांख्यिकीय उपकरणों और पिछले 150 वर्षों के समुद्र के तापमान डेटा का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने गणना की कि एटलांटिक समुद्री धारा, जिसे थर्मोहेलाइन सर्कुलेशन भी कहा जाता है, 2025 और 2095 के बीच बंद हो जाएगी। ऐसा संभवतः 2057 में हो सकता है। थर्मोहेलाइन सर्कुलेशन समुद्री धाराओं की वैश्विक प्रणाली का हिस्सा है।

डेनमार्क के नील्स बोर इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर पीटर डिटलेवसन ने कहा कि पूरी दुनिया के गर्म होने से गर्मी की लहरें बार-बार आएंगी। धारा का बंद होना उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में गर्मी बढ़ाने में योगदान देगा, जहां बढ़ते तापमान ने पहले से ही चुनौतीपूर्ण जीवन परिस्थितियां उत्पन्न कर दी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे अध्ययन के निष्कर्ष वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को जल्द से जल्द कम करने के महत्व को रेखांकित करते हैं। थर्मोहेलाइन सर्कुलेशन के बारे में ये प्रारंभिक चेतावनीपूर्ण संकेत पहले भी बताए जा चुके हैं, लेकिन अब उन्नत सांख्यिकीय तरीकों के विकास से यह भविष्यवाणी करना संभव हो गया है कि समुद्री धारा कब बंद होगी। लेकिन नए अध्ययन से जुड़े विज्ञानियों का कहना है है कि गहरे समुद्र की वृत्ताकार धाराओं के कारण होने वाला वेंटिलेशन (वायु संचार) समुद्रों को स्थिर होने से रोकने में मदद कर सकता है। अतः महत्वपूर्ण समुद्री धारा के बंद होने की भविष्यवाणी से दुनिया को फिलहाल विचलित होने की जरूरत नहीं है।

(साभार :लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।)

धैर्य कटु है, किन्तु उसका फल मधुर है।
- रूसो

आज का इतिहास

- 2009- भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव रणधीर सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
- 2007- ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर माइकल बेवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया।
- 1996- यूरोपीय संघ का सदस्य बनने के लिए चेक गणराज्य ने आवेदन किया।
- 1994- लॉस एंजेलेस में भूकंप से भारी तबाही।
- 1991- खाड़ी युद्ध की शुरुआत।
- 1989- उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले कर्नल जेके बजाज पहले भारतीय बने।
- 1985- इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज अजहरुद्दीन ने दूसरा टेस्ट शतक लगाया।
- 1980- फ्लाटसटकोम-3 नासा ने लांच किया।
- 1979- सोवियत संघ ने न्यूक्लियर टेस्ट किया।
- 1976- हरमस रॉकेट को यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने लॉन्च किया।
- 1949- फॉक्सवैगन की पहली बीटल कार जर्मनी से अमेरिका पहुंची।
- 1946- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पहली बैठक हुई।
- 1941- नेताजी सुभाष चंद्र बोस कलकत्ता से जर्मनी के लिए रवाना।
- 1915- पश्चिमी यूक्रेन और बुकोविना पर रूस ने कब्जा किया।

आज का कार्टून

(साभार : माधव जोशी)

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर में समस्या लेकर आए नागरिकों को विधायक ने प्रदान किए पौधे

शिविर के प्रथम चरण में 1511 आवेदन प्राप्त हुए, 100 प्रतिशत हुआ निराकरण

इटारसी, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत नगरपालिका परिषद इटारसी ने आज पुरानी इटारसी वार्ड 34 में शिविर का आयोजन किया। यहां शिविर में नागरिकों की समस्या सुनने के लिए विधायक डॉ सीतासरन शर्मा भी पहुंचे। उनके साथ नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ श्रीमती रितु मेहरा, भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, पार्षद श्रीमती अंजली कलोसिया पार्षद श्रीमती राजे श्री धुरिया, पुरानी इटारसी भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, इटारसी भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया सहित अन्य मौजूद थे। शिविर में विधायक डॉ शर्मा ने नवाचार करते हुए यहां आने वाले नागरिकों को पौधे उपहार में दिए। जिनकी समस्या का तत्काल निराकरण किया उन्हें और जिनकी समस्या निराकरित करने का आश्वासन दिया है उन्हें भी पौधे

प्रदान किए गए। पौधे मिलने पर नागरिकों ने विधायक डॉ सीतासरन शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विधायक डॉ शर्मा ने शिविर में पहुंची जनता से चर्चा की और सीएमओ से पूछा कि प्रथमचरण में जो आवेदन आए हें उनका क्या हुआ। यहां सीएमओ रितु मेहरा ने उन्हें बताया कि जितने भी आवेदन आए थे, उनमें से 100 प्रतिशत का निराकरण कर दिया गया है। सीएमओ ने बताया कि अब जल्दी ही द्वतीय चरण में शिविर लगाया जाएगा।

डॉ शर्मा ने यहां कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रत्येक नगरपालिका के वार्डों में शिविर लगाकर सरकार की मंशा जाहिर कर दी है कि सरकार अब जनता के द्वार खुद आएगी। उन्होंने कहा कि आप सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलकर अच्छा काम किया इसके लिए धन्यवाद।

शिविर के प्रथम चरण में आए आवेदन व स्थिति

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर के प्रथम चरण में 1511 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1511 आवेदनों का निरारकण हो चुका है। प्रतिशत में यह 100 प्रशित होता है। आवेदनों में आयुष्मान भारत, श्रमिक कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, पीएम स्वनिधि सहित अन्य चीजों के लिए आवेदन पहुंचे थे।

आज इतने आवेदन आए

मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर में आज विधायक डॉ शर्मा द्वारा हित लाभ वितरण में
वृद्धावस्था पेंशन के 12 प्रकरण,
राशन पात्रता पर्ची 4,
पीएम स्वानिधि योजना से 5,
लाड़ली लक्ष्मी योजना 3,
भवन निर्माण श्रमिक पंजीयन कार्ड 3 वितरित किए।

अनुभूति कैंप में छात्र-छात्राएं हुए पेड़ पौधों से रूबरू

सिवनी मालवा। वन परिक्षेत्र बानापुरा की तरफ से मध्य प्रदेश शासन वन विभाग द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को अनुभूति कैंप लगाकर जंगल तथा पेड़ पौधों से रूबरू कराया जाता है इसी के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोमलवाडा एवं शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बानापुरा के कक्षा नौवीं एवं ग्यारहवीं के

छात्र-छात्राओं ने अनुभूति कैंप के अंतर्गत वन ग्राम पीपल गोटा के जंगलों का भ्रमण किया। इस दौरान अनुभूति मास्टर ट्रेनर्स रामकिशोर चौरे सेवानिवृत्ति अपर वन मंडल अधिकारी, आर एन मालवीय सेवा निवृत वन परिक्षेत्र अधिकारी, मुकेश कुमार पटेल उपवन क्षेत्रपाल बानापुरा, महिपाल ठाकुर वनपाल, राम मूर्ति रघुवंशी वनपाल, दीपेंद्र चौधरी वनरक्षक ने अनुभूति कैंप के संबंध में जानकारी दी सभी छात्र-छात्राओं को कैंप में नाश्ता करवा कर प्रकृति पथ पर पेड़ पौधे घास औषधीय पौधों की पहचान करवाई उनके उपयोग से अवगत करवाया वृक्ष एवं वनों के महत्व पर्यावरण खाद्य श्रृंखला, तेंदूपत्ता संग्रहण की जानकारी नदी नाले में जल का प्रवाह, भूजल संरक्षण की जानकारी दी।

बिना मध्यस्थता के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण नही होगा :सरोज डेहरिया

सिवनी मालवा। समाज में भाईचारा स्थापित करने के लिए मध्यस्थता आवश्यक है, जब तक मध्यस्थता नही होगी प्रकरणो का शीघ्र निराकरण नही होगा। उक्त बात स्थानीय न्यायालय की न्यायाधीश सरोज डेहरिया ने न्यायालय परिसर में आयोजित मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम की बैठक में कही। न्यायाधीश सरोज डेहरिया ने कहा कि न्यायालय में लंबित प्रकरणो में हम सभी पक्षकारो के मध्य आपसी भाईचारा स्थापित करके उनके प्रकरणो का निराकरण कराया जा सकता है। इसके लिए सामाजिक लोगो को अधिवक्ताओ को पहल करना जरूरी है। जब तक पक्षकारो में आपसी मतभेद समाप्त नही होगा तब तक सामाजिक मधुरता स्थापित नही की जा सकती है। मध्यस्थता करके अपराधो में भी कमी लायी जा सकती है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा कि मध्यस्थता एक ऐसा माध्यम है। जो समाज में समरुपता और भाईचारा स्थापित कर सकता है। इस लिए सभी को आगे आकर प्रकरणो में पक्षकारो के मध्य मध्यस्थता करके उनके प्रकरणो का निराकरण कराने में सहयोग देना चाहिए।

आठवें वेतन आयोग के गठन की हुई घोषणा, केंद्रीय कर्मचारियों में हर्ष

इटारसी। भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के 20 वा त्रिवार्षिक अधिवेशन 27 दिसंबर 2024 से 29 दिसंबर 2024 तक नागपुर अंबाझरी में संपन्न हुआ, उसमें एक प्रस्ताव आठवें पे कमीशन का गठन भी था जो भारत सरकार द्वारा मान्य कर

लिया गया है उक्त अधिवेशन में आयुध निर्माणी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने भी भाग लिया था। आठवा वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से लागू होगा,युनियन की ओर से वरिष्ठ रविंद्र हिम्मते महामंत्री भारतीय मजदूर संघ, एमपी सिंह उपाध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ , साधू सिंह महामंत्री राष्ट्रीय कर्मचारी परिसंघ ,,मारुति पवार अध्यक्ष भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ, मुकेश सिंह कार्यकारी अध्यक्ष भारतीय प्रशिक्षण मजदूर संघ , रविंद्र मिश्रा महामंत्री भारतीय प्रतीरक्षा मजदूर संघ, अमित बाजपेई संयुक्त सलाहकार सदस्य प्रतिनिधित्व किया। इस पर सभी कर्मचारियों ने आभार व्यक्त किया है।

5 फरवरी को राजधानी भोपाल में आंदोलन करेगा भारतीय किसान संघ

इटारसी। भारतीय किसान संघ इटारसी द्वारा प्रदेशव्यापी ज्ञापन के तारतम्य में मुख्यमंत्री के नाम तहसील स्तरीय समस्याओं का ज्ञापन तहसीलदार श्रीमति सुनीता साहनी को सौंपा गया । भाकिसं के तहसील प्रचार प्रसार प्रमुख नरेन्द्र गौर नें बताया कि भारतीय किसान संघ इटारसी द्वारा तहसीलदार को किसान संबंधी समस्याएं बतायी है जोकि निम्न है-1. संपूर्ण तहसील क्षेत्र में किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त 10 घंटे बिजली निर्बाध आपूर्ति की जावे । 2. तहसील क्षेत्र के समस्त शासकीय गोहे के मार्गों का सीमांकन करके अतिक्रमण मुक्त किया जावे । 3. तहसील क्षेत्र के समस्त सड़कों का मरम्मत कार्य किया जावे । 4. इटारसी तहसील में गुर्रा से सिलारी मार्ग में निर्मित पुलिया की ऊंचाई बढ़ायी जावे । 5. इटारसी मंडी में सभी उपजों की तुलाई का कार्य फ्लेट कांटों से किया जावे । 6. इटारसी मंडी में फ्लेट कांटों से तुलाई में बढ़ती नहीं काटी जावे । 7.इटारसी के कीरतपुर में उद्योगों से अपशिष्ट युक्त पानी छोड़ा जाता है जोकि किसानों के खेतों में भी पहुंचता है एवं मवेशी भी उस पानी को पीते है । स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है । उद्योगों में फिल्टर लगाएं जावे। 8. इटारसी के पाहनवर्री में पिचिंग का निर्माण शीघ्र ही किया जावे।

नहरों के रखरखाव में लापरवाही का मामला

नहरों के गेट क्षतिग्रस्त, जलसंसाधन विभाग का जिम्मेदार अमला निष्क्रिय!

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पिछले कई महीनो से हरदा जिले की नहरों के गेट तथा नहरों में लगे यंत्रों की खराबी से नेहरू में आने वाला पानी ठीक तरह से प्रवाहित नहीं हो पा रहा है. इससे किसानों को सिंचाई कार्य में दुविधा का सामना करना पड़ रहा है. खेतों में सुविधाजनक और समय पर सिंचाई करने के लिए नहरों का सुचारू रूप से संचालन होना आवश्यक है. लेकिन हरदा जिले के हरदा डिवीज़न एवं टिमरनी डिवीजन की नहरों के रखरखाव को लेकर संसाधन विभाग के विधुत/यंत्रिकीय संभाग की निष्क्रियता सामने आ रही है. हरदा जिले के दोनों डिवीजन में जितनी भी माइनर है. उनमें से अधिकांश के गेट क्षतिग्रस्त हो गए हैं. कुछ माइनर तो ऐसी है जिनमें कई सालों से गेट भी नहीं है. ऐसी नहरों से पानी का प्रवाह सुचारू रूप से होना संभव नहीं है.

क्षतिग्रस्त गेट होने से विभागीय अफसर एवं किसान दोनों ही परेशानी का सामना कर रहे हैं. किसान अपनी शिकायत

फाइल फोटो।

अधिकारियों से करते हैं और अधिकारी समस्या को लेकर ऊपर स्तर पर लिखा पढ़ी तो कर देते हैं लेकिन समस्या का हल नहीं करा पाते .

जल संसाधन विभाग का विद्युत यांत्रिकी संभाग ही हरदा जिले की नहरों के रखरखाव को लेकर जिम्मेदार कहा जाता है। उसका दायित्व होता है कि वह नहर के गेटों की रिपेयरिंग करें. उन पर ग्रीसिंग करें ताकि उन्हें खोलने और बंद करने में परेशानी ना हो। मगर बताते है 2 साल से भी अधिक समय हो गया है लेकिन इन दोनों संभाग की नहरों के गेटों को लेकर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं गया. जल संसाधन संभाग विद्युत यांत्रिकी नर्मदा पुरम में करीब 6 साल तक कार्यपालन यंत्री रूप में ताम्रकार पदस्थ रहे लेकिन कहा जाता है उनके कार्यकाल में मरम्मत संबंधी काम को लेकर काफ़ी लापरवाही बरती गई। वर्तमान कार्यपालन यंत्री चौबे विद्युत यांत्रिकीय जल संसाधन संभाग नर्मदापुरम में पदस्थ हैं. जो नेहरों की यांत्रिक समस्याओं को लेकर गंभीर तो हैं उनके द्वारा भी समस्या निराकरण के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

जल संसाधन विभाग में सिविल संभाग का काम सिंचाई व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखना है.जबकि विद्युत यांत्रिकीय संभाग की जिम्मेदारी रहती है कि वह नहरों में फिट यंत्रों की मरम्मत करें तथा खराब हो गए हैं तो उनको बदलें.

विद्युत यांत्रिकीय जल संसाधन संभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत बैतूल हरदा एवं नर्मदापुरम जिला आते हैं. नर्मदापुरम मुख्यालय में कार्यपालन यंत्री पदस्थ हैं जबकि अन्य जिलों में अनुभाग अधिकारियों के दफ्तर है जो जल संसाधन सिविल दफ्तरों के अंतर्गत काम देखते हैं.

हरदा जिले में दो सिविल संभाग है. इन दोनों संभागों के अंतर्गत संचालित नहरों के यंत्रों की देखभाल तथा मरम्मत आदि काम की जिम्मेदारी विद्युत यांत्रिकी संभाग की है. सिविल संभाग के अधिकारी नहरों में लगे यंत्रों को लेकर अपनी डिमांड विद्युत यांत्रिकी दफ्तर में भेजते हैं.साथ ही मरम्मत कार्य कराने का कबरिंग लेटर लगाते हैं.

हरदा जिले के सिविल अधिकारी 2 साल से नेहरों के गेटों की मरम्मत तथा बदले जाने की बात विद्युत यांत्रिक संभाग के अधिकारियों को लिखित में बता रहे हैं फिर भी नहरों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. हरदा जिले की करीबन 40-50 ऐसी नहरें हैं जिनके गेट क्षतिग्रस्त है. कुछ में तो गेट है ही नहीं.

इनका कहना है

हमने हरदा जिले की माईनरो की रखरखाव के लिए एस्टीमेट भेजा है. वरिष्ठ कार्यालय से स्वीकृत होने के बाद ही नहर में कुछ काम हो पाएगा. हम प्रयासरत रहते हैं कि हरदा जिले की नहरों में गेटों की व्यवस्था ठीक से रहे ताकि पानी के प्रभावित होने में कोई दिक्कत ना हो। हमारा काम तो एस्टीमेट बनाकर भेजना है वरिष्ठ कार्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद ही कुछ काम कर पाएंगे.

- महेंद्र ओगले एसडीओ (विधुत/यांत्रिक) जल संसाधन उप संभाग हरदा

खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्व क जब्ती की कार्यवाही

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अवैध खनिज उत्खनन/ परिवहन/ भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम द्वारा गत

दिवस 10 जनवरी को ग्राम-लोखरतलाई, तह0-सिवनीमालवा से 01 ट्रेक्टर ट्राली सोनालिका को रेत खनिज का अवैध परिवहन करते हुए एवं 13 जनवरी को डम्पर क्रमांक-एम.पी.09एच.एच. 5851 तथा 15 जनवरी को डम्पर क्रमांक-आर.जे.09जी.डी.3756 एवं डम्पर क्रमांक-सी.जी.12बी.डी. 6179 को ग्राम-बाबरी, तह0-सिवनीमालवा से रेत खनिज का ओवरलोड परिवहन करते हुए पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

उक्त कार्यवाहियों में दिवेश मरकाम जिला खनिज अधिकारी सहित पिंकी चौहान, खनिज निरीक्षक कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्र0 खनिज निरीक्षक, होमगार्ड एवं पुलिस बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

तेन्दूखेड़ा! गत दिवस सागर जबलपुर स्टेट हाईवे पाटन मार्ग पर फिर एक सड़क हादसा सामने आया हैं जिसमें एक अधेड़ के सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सुबह पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और वृद्ध की शिनाख्त हिसाबी पिता गुलठाई गोंड उम्र 48 वर्ष निवासी रौसरा महगुवा के रूप में की गई है जानकारी अनुसार गुरुवार की दरमियानी रात तेन्दूखेड़ा पाटन मार्ग पर 27 मील और पंडा बाबा के बीच एक वृद्ध का शव बीच सड़क पर पड़ा हुआ था जिसकी सूचना राहगीरों द्वारा तेन्दूखेड़ा पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त करने का प्रयास किए गए और आसपास के गांव में इसकी सूचना दी गई जहां 27 मील से कुछ लोग सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की जिसके बाद परिजनों को इसकी सूचना दी जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और आगे की कार्रवाई शुरू की गई । मृतक पंडा बाबा के मेले में घूमने के लिए गया था और फिर रात में नहीं लौटा। वहीं पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है।

एम जी एम पी जी महाविद्यालय में पुणे से आए विद्वानों ने दिया प्रशिक्षण

इटारसी, दोपहर मेट्रो

शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोतर महाविद्यालय में पुणे स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट से आए विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थी एवं फैकल्टीज का तीन दिवसीय प्रशिक्षण गुरुवार को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ राकेश मेहता के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। पुणे से आए विषय विशेषज्ञ सुश्री दिया सिंहल, कॉरपोरेट ट्रेनर एवं अमित चक्रवर्ती, रीजनल हेड मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ ने फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत फैकल्टीज को तथा व्यक्तित्व विकास एवं कम्युनिकेशन स्किल्स के तहत विद्यार्थियों को मार्ग दर्शन प्रदान किए। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में फैकल्टीज को प्रशिक्षण में उन्होंने पठन पाठन में पांचों स्तर- स्मृतिकरण, समझ , लेखन, संबंध स्थापन तथा सृजन को विस्तार से समझाया। विद्यार्थियों को कैरियर संबंधी मार्ग दर्शन में शिक्षकों की अहम भूमिका, डिजिटल एंपावरमेंट, संस्था एवं शिक्षकों की सामाजिक दायित्वबोध तथा रिसर्च में उनके योगदान के बारे में अवगत करते हुए,इस पर अमल करने के तरीके और साधन पर चर्चा किए। प्राचार्य डॉ राकेश मेहता ने कहा कि फैकल्टीज को समय के अनुरूप एवं बदलते हुए टेक्नोलोजी के साथ अपने ज्ञान को परिमार्जित करना अत्यंत आवश्यक है। आई क्यू ए सी प्रभारी डा पी के अग्रवाल ने कहा कि संस्थाओं के मूल्यांकन करने वाला देश के सर्वोच्च संस्था नेक भी यह निर्देशित करता है कि फैकल्टीज का समय समय पर प्रशिक्षण आयोजित हो एवं उसी के तहत यह कार्यक्रम आयोजित है।

मेट्रो एंकर मरीजों की ठीक से जांच पड़ताल किए बिना ही कर दिया जाता है रेफर, निजी अस्पतालों को लाभ पहुंचाने वाले दलाल हुए सक्रिय

जिला अस्पताल से मरीजों को रेफर किए जाने की कार्य प्रणाली पर ध्यान देने वाला कोई नहीं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सरकार ने गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा के लिए सरकारी अस्पताल खोले हैं लेकिन इन सरकारी अस्पतालों में गरीबों को समुचित स्वास्थ्य लाभ न मिलना अफसोस की बात है.जो मरीज सरकारी अस्पताल में गंभीर हालत में आते हैं उनकी ठीक से जांच पड़ताल किए बिना ही सरकारी डॉक्टर द्वारा उन्हें भोपाल या अन्यत्र रेफर कर दिए जाते हैं. दुखी परिजन घबराहट में अपने मरीज को सरकारी अस्पताल से निकाल कर या तो भोपाल ले जाते हैं या स्थानीय किसी निजी अस्पताल में भर्ती कर देते हैं. निजी अस्पतालों में इस कदर लूट खसोट मची हुई है की एक गरीब इंसान तो यहां सिर्फ लुटने के लिए ही जाता है. कई तरह की जांच के नाम पर और महंगी- महंगी दवाओं के नाम पर मरीज के खून पसीने की कमाई को निचोड़ लिया जाता है. सरकारी अस्पताल में जैसे ही कोई गंभीर मरीज जाता है उसे रेफर करने में डॉक्टर देर नहीं करते. सरकारी अस्पताल परिसर में कई प्रकार के दलालों ने अपना अड्डा जमा रखा है. जो इन गंभीर मरीजों के परिजनों से संपर्क कर उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करने की सलाह देते रहते हैं. जब सरकारी अस्पताल से रेफर होकर मरीज निजी अस्पताल जाते हैं तो निजी अस्पताल वाले इन दलालों को अच्छा खासा कमीशन देकर उसे विदा कर देते हैं और बाद में मनमाने

दाम मरीजों से वसूलते हैं.

इस दलाली में कुछ सरकारी अस्पताल में पदस्थ कर्मचारी भी शामिल है. तो कुछ निजी अस्पतालों के दलाल भी अस्पताल परिसर के आसपास घूमते दिखाई देते हैं.

मुख्यमंत्री से अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने का आग्रह

कांग्रेस के पूर्व महासचिव एवं समाजसेवी अयोध्या प्रसाद रावत ने नर्मदापुरम जिला चिकित्सालय की व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री से आग्रह किया है. श्री रावत ने बताया कि डॉक्टरों द्वारा जिला अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों के साथ रेफर करने के नाम पर और उन्हें सीरियस बताकर निजी चिकित्सालय या भोपाल जाने की बात कह कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं. जिला चिकित्सालय के डॉक्टर मरीज की ठीक से जांच पड़ताल किए बिना ही उन्हें रेफर करने की सलाह दे डालते हैं. जिला अस्पताल के आसपास घूम रहे दलालों द्वारा भी स्थानीय निजी अस्पतालों में रेफर मरीजों को भर्ती करने की सलाह दी जाती है।

ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले मरीजों को तथाकथित दलालों द्वारा निजी अस्पताल में रेफर किया जाता है और निजी अस्पताल में जाने का दबाव भी बनाया जाता है.निजी अस्पतालों द्वारा 1 लाख से 2 लाख तक का बिल बनाकर पेशेंट का आर्थिक शोषण किया जा रहा है. नगर में ब्लड का भी अवैध कारोबार चल रहा है.इन पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है. यह प्रशासनिक व्यवस्था पर सवालिया निशान है।

पालकी की अगवानी के लिए दुल्हन की तरह सजा शहर, सभी शिखरों का कलशारोहण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

श्री वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के द्वितीय दिवस तारण तरण जैन समाज के द्वारा श्री जिनवाणी पालकी जी शोभायात्रा निकाली गई जो बरेठ रोड स्थित श्री तारणभूमि चैत्यालय से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए श्री तारण तरण दिगंबर चैत्यालय धूसरपुरा पहुंची जहां धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मुख्य वेदीजी एवं सभी शिखरों का कलशारोहण हुआ। संपूर्ण आयोजन में भक्ति एवं आध्यात्म का एक सुंदर समायोजन देखने को मिला। जिसमें सारे भारतवर्ष से आये तारण तरण समाज के लोग मौजूद रहे। समवशरण मंडप में प्रभात फेरी मंत्र जाप एवं प्रवचन के बाद तारणभूमि चैत्यालय से श्री पालकी जी शोभायात्रा प्रारम्भ हुई जिसमें रजत पालकी जी में तारण स्वामी द्वारा रचित 14 ग्रंथ विराजमान थे। जिसे श्रद्धालू अपने कंधे पर उठाकर चल रहे थे। नगर के कई सामाजिक व्यापारिक संगठनों जनप्रतिनिधियों ने पालकी जी की आरती उतारकर धर्म लाभ लिया।एवं शामिल लोगों

पर अक्षत वर्षा की।

विराजमान की हस्तलिखित पांडुलिपिया-एक स्वचालित रथ पर गुरुदेव तारण स्वामी द्वारा रचित ग्रंथों की हस्तलिखित पांडुलिपियों को पूरे सम्मान के साथ विराजमान किया गया था उस रथ को श्रद्धालु अपने हाथों से खींचकर आगे बढ़ रहे थे।

पालकीजी की अगवानी के लिए पूरे मार्ग भर में द्वार सजाए गए थे वही नगर वासियों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों के बाहर तोरण द्वार सजाकर रंगोली बनाई थी एवं शामिल शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को पानी पिलाकर उनका स्वागत किया। जिससे शोभायात्रा में सामाजिक सद्भाव की एक अनूठी मिसाल शहर में दिखाई दी ।

शोभायात्रा में इतिहास रत्नाकर बाल ब्रह्मचारी बसंत महाराज, आत्मानंद महाराज ,शांतानंद महाराज, मुक्तानंद महाराज, धर्मेंद्र भैया सहित कई साधक साधिकायें शामिल रहीं। साधकों द्वारा अपने प्रवचन में वेदी प्रतिष्ठा एवं कलशारोहण का महत्व समझाया गया।

भजनों की धुन पर भाव विभोर- शोभायात्रा में चल रहे चलित मंच पर संगीतकारों के द्वारा सुंदर भजन गाए जा रहे थे जिनकी धुन पर श्रद्धालु नाचते गाते जयकारा लगाते चल रहे थे। जो जहां था वहीं भक्ति में लीन रहा ।शोभा यात्रा में दिव्यघोष बालिका मंडल धूसरपुरा की बेटियों ने सुंदर दिव्य घोष का वादन प्रस्तुत किया। वही महिला एवं बालिका मंडल की सदस्यों ने चाचड़ डांडिया गरबा का पूरे अनुशासन और सादगी के साथ प्रस्तुतीकरण किया ।

दिव्य घोष की ध्वनि ने ऊर्जा से भर दिया श्री तारण तरण युवा विवेक मंडल एवं श्री तारण तरण शांति सेवादल के नौजवानों के द्वारा बजाई गई दिव्यघोष की ध्वनियों ने माहौल को गुंजायमान कर दिया वहीं नागपुर से आई राजमाता ध्वज तासा पार्टी के युवक युवतियों का प्रस्तुतीकरण आकर्षण का केंद्र रहा।

अव्यवस्थाओ से जूझ रही सिरोंज कृषि मंडी

जिम्मेदारों की लापरवाही किसानों पर पड़ रही भारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज की कृषि उपज मंडी इन दोनों भारी अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। जहां एक तरफ साफ, सफाई और स्वच्छ पानी का अभाव है तो वहीं दूसरी ओर स्टाफ की कमी और जिम्मेदारों की लापरवाही किसानों पर भारी पड़ रही है। आए दिन मंडी में किसानों के साथ चोरी प्रमुख समस्या बन चुकी है जिसका निदान होता भी दिखाई नहीं पड़ रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ मंडी कर्मचारी की मिली भगत से सिरोंज कृषि उपज मंडी में बड़ी मात्रा में अनाज की चोरी हो रही है। जिसकी शिकायत भी आए दिन देखने को मिल रही है। लेकिन जिम्मेदार कोई कार्रवाई करते नहीं दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। यही वजह है कि उनके हौसले बुलंद हो रहे हैं और हर दिन बड़ी मात्रा में मंडी में अनाज की चोरी को अंजाम दे रहे है। जिसके कारण क्षेत्र के किसान अब सिरोंज मंडी की बजाय आसपास की कृषि उपज मंडियों में अपना रुख करने लगे हैं, जिसकी वजह से अब धीरे-धीरे मंडी में आवक घटने लगी है। लेकिन इससे भी जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है, जबकि क्षेत्र के किसान बड़ी संख्या में इससे

प्रभावित हो रहे हैं, तो परेशान भी हैं। वहीं क्षेत्र के किसानों कहना है की मंडी चुनाव न होना प्रमुख समस्या है यदि हर 5 साल में पूर्व की तरह निरंतर मंडी चुनाव हो रहे होते तो फिर इस तरह की मनमानी और भ्रष्टाचार एवं चोरियों नहीं होती। लेकिन कई वर्षों से चुनाव न होना इस समय सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है जिसके कारण लगातार मंडी में चोरी और अन्य व्यवस्थाओं से किसान काफी परेशान है।

किसानों के साथ चोरी है प्रमुख समस्या

अभी कुछ दिन पहले भी मंडी स्थित कांटे पर तुलाई के दौरान उपज कम निकलने को लेकर विवाद हो चुका है। जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई का भरोसा देकर मामला शांत कराया था। लेकिन इस विवाद के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं आया। लगातार चोरी एवं अव्यवस्थाओं के कारण सिरोंज की कृषि मंडी से क्षेत्र के किसानों का विश्वास कम होता जा रहा है। यही वजह है किसानों की संख्या और उपज कम होती जा रही है। वही कुछ किसानों ने आरोप यह भी है कि उनके साथ यहां धोखाधड़ी की जा रही है। बार-बार शिकायत के बावजूद भी ना तो चोरी रुक पा रही है और ना ही मंडी, पुलिस एवं जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्रवाई करते दिखाई दे रहे हैं।

21 रुपए 60 पैसे का है प्रावधान फिर भी नहीं रुक रही चोरी

सिरोंज कृषि उपज मंडी में किसान और व्यापारी मिलकर तुलावट और हम्मालों को 21 रुपए 60 पैसे देते हैं, इसके लिए किसान अपनी तरफ से 13 रुपए 80 पैसे अदा करते हैं, तो वहीं प्रत्येक क्विंटल पर सात रुपए 80 पैसे व्यापारी की तरफ से दिए जाते हैं। इतनी राशि देने के बावजूद भी लगातार सिरोंज कृषि उपज मंडी में चोरी रुकने का नाम नहीं ले रही है, ना ही मंडी कर्मचारियों की तरफ से कोई कठोर कार्रवाई होती दिखाई पड़ रही है। जिसकी वजह से लगातार क्षेत्र के किसान हताश और परेशान हो रहे हैं और जिम्मेदार तमाशबीन बने बैठे दिखाई पड़ रहे हैं।

मंडी में स्टाफ की कमी बनी प्रमुख समस्या

सिरोंज कृषि उपज मंडी में वर्तमान में 29 कर्मचारी पदस्थ हैं, जबकि मंडी में 49 अधिकारी, कर्मचारी होने चाहिए, लेकिन कम स्टाफ के कारण भी लगातार अनेक अव्यवस्थाओं से मंडी प्रशासन और किसान परेशान दिखाई पड़ रहे हैं। जबकि 30 सुरक्षा गार्ड लेकिन यह सुरक्षा गार्ड भी आधे अधूरे ही मंडी पहुंच रहे हैं स्थानीय प्रशासक की लचर कार्य प्रणाली के कारण मंडी अव्यवस्थाओं से जूझती दिखाई पड़ रही है।

पुरस्कार हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन 20 तक आमंत्रित

सिरोंज। विदिशा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वालो को सम्मानित करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों को सम्मानित करने हेतु विभागीय अधिकारियों से प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में 20 जनवरी तक आमंत्रित किए गए है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए डिप्टी कलेक्टर व शाखा के नोडल अधिकारी श्री संतोष बिटौलिया ने बताया कि जिन अधिकारी, कर्मचारियों को जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाना है। उन सभी अधिकारी, कर्मचारियों की निर्धारित प्रारूप में पुरस्कार प्राप्ति के संबंध में वर्णित सातो कालम में पृथक-पृथक जानकारियां अंकित कर अंतिम तिथि 20 जनवरी तक नोडल अधिकारी को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे। अंतिम तिथि के उपरांत पुरस्कार प्राप्ति से संबंधित आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा एसपी रोहित काशवानी ने थाना उनारसीकलां में दर्ज अपराध के फरार आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए दो हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना उनारसीकलां में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 63/2024 का फरार आरोपी वंशीलाल बंजारा निवासी ग्राम अमलाबारी बठार ग्राम दौराना थाना विजयपुर जिला गुना की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए दो हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

राजस्व पीएस ने व्हीसी की समीक्षा: राजस्व महाअभियान में विदिशा पांचवे स्थान पर

सिरोंज। विदिशा राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने गुरूवार को राजस्व कार्यो की समीक्षा वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से की। एनआईसी के व्हीसी कक्ष में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी, श्रीमती शशि मिश्रा, श्रीमती मोहिनी शर्मा, अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत मौजूद रहीं। राजस्व कार्यो की प्रदेश स्तरीय समीक्षात्मक बैठक में पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई जानकारियों के अनुसार राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत क्रियान्वित बिन्दुओं की अद्यतन प्रगति की जारी प्रदेश स्तरीय रैकिंग सूची में विदिशा जिला पांचवे स्थान पर है। वीडियो कांफ्रेसिंक समीक्षात्मक बैठक में आधार से आरओआर खसरे की लिंक, नक्शे में बंटाकन, फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान ईकेवायसी की अद्यतन स्थिति के अलावा राजस्व कार्यो के अन्य बिन्दुओं की गहन समीक्षा की गई है।

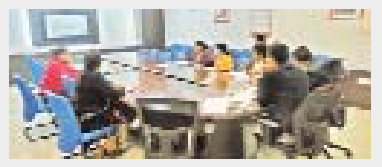

शासन के निर्देशानुसार 14 से 28 जनवरी तक आयोजित होंगे आनंद उत्सव कार्यक्रम

सिरोंज। नगरपालिका परिषद द्वारा शासन के निर्देश अनुसार 14 जनवरी से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमें 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन गणेश की अथाई गणेश मंदिर से भजन कीर्तन नृत्य कर महिला ने आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन कर आनंद उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं तीली और गुड़ के लड्डू का महिलाओं को वितरण किया गया जिसमें कम से कम 100 से अधिक महिला उपस्थित रहे यह आनंद उत्सव कार्यक्रम 28 जनवरी 2025 तक प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे यह समस्त कार्यक्रम रोहित सिंह तोमर उपयंत्री एवं ज्योति दुबे के मार्गदर्शन में होंगे आयोजन।

ग्राम पंचायत छापू एवं कमलिया मसहारा में पीआरए कार्यक्रम

सिरोंज। ग्राम पंचायत छापू के ग्राम छापू एवंग्राम कमलिया मसहारा में कार्यक्रम किया गया। जिसमे ग्राम वासियों के साथ मिलकर गांव की समस्याएं एवं आवश्यकताओं के लिए ग्राम वासियों की समझ विकसित करने का प्रयास किया गया एवं जल जीवन मिशन योजना की संपूर्ण जानकारी देते हुए स्वच्छ जल, जल संरक्षण एवं शुद्ध जल का महत्व बताया गया। सभी ग्रामवासीयों ने इस गतिविधि में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पशुओं के उपचार हेतु संजीवनी 1962

सिरेंज। विदिशा पशुओं के उपचार हेतु जिले में टोल फ्री संजीवन 1962 के तहत प्राप्त सूचनाओं के आधार पर शीघ्रतिशीघ्र चिकित्सको के द्वारा सूचना स्थल पर पहुंचकर पशुओं का उपचार किया जा रहा है। पशु चिकित्सा सेवा विभाग के उप संचालक डॉ एनके शुक्ला ने बताया कि जिले के पशुपालको को संजीवनी 1962 की जानकारियां सुगमता से प्राप्त हो के लिए हरेक ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में जारी पशुगणना के साथ-साथ संजीवनी 1962 की जानकारी दी जा रही है।

दुकान लगाने को लेकर विवाद, चाकूबाजी

तेंदूखेड़ा ! जिले के तारादेही थाना क्षेत्र के समनापुर ग्राम में बुधवार को दो दुकानदारों के बीच हाथठेला लगाने पर हुए विवाद में एक दुकानदार ने दूसरे दुकानदार पर चाकुओं से हमला कर दिया। घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा लाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। समनापुर ग्राम में महेंद्र रैकवार और सतीश शुक्ला बस स्टैंड के पास अपनी चाट समोसा की दुकान लगाते हैं। जिस जगह पर दुकान लगाते हैं उस जगह पर दोनों ही दुकान लगाना चाहते हैं इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई और विवाद बढ़ा और चाकूबाजी हो गई।।

तेंदूखेड़ा प्रीमियर लीग में गुरूदेव, ओम वारियर्स एवं जनपद वारियर्स ने जीता मैच

तेंदूखेड़ा। तेन्दूखेड़ा प्रीमियर लीग-2025 (टीपीएल) क्रिकेट नाईट टूर्नामेंट के दसवें दिन उत्कृष्ट विघालय मैदान में तीन लीग मैच खेले गए। पहला मैच गुरूदेव क्रिकेट क्लब एवं एकता वारियर्स के बीच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए गुरूदेव की टीम ने 10 ओवर में 9 विकेट खोकर 105 रन बनाएं। जबाव में उतरी एकता वारियर्स की टीम ने 7 विकेट गंवाकर 86 रन ही बना पाई। ब्रजेष घोषी ने 17 गेदों में शानदार 32 रन बनाकर मैन आफ द मैच अपने नाम किया जिन्हें पुरूस्कार एवं नगद राषि सांसद प्रतिनिधी मूरत सिंह लोधी के द्वारा प्रदान की गई।

300 साल पुराने मकान का मूल स्वरूप आज भी कायम !

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सिरोंज में स्थित एक ऐतिहासिक मकान, जो लगभग 300 साल पुराना है, आज भी अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखे हुए है। यह मकान भारतीय जनता पार्टी के दो बार के वर्तमान विधायक पंडित उमाकांत शर्मा का निवास स्थान है। यह न केवल उनकी पारिवारिक धरोहर है, बल्कि सिरोंज की जनता के लिए एक ऐसा केंद्र है, जहां उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है।

यह वही मकान है, जहां विधायक के बड़े भाई, पंडित ज्योतिषाचार्य और धर्माचार्य नलिकांत शर्मा, और पूर्व मंत्री स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा निवास करते थे। इस कच्चे मकान का कुछ हिस्सा अब पक्का हो चुका है, लेकिन इसकी पुरानी परंपरा और धार्मिक महत्व आज भी कायम है। जनता की समस्याओं का समाधान

इस मकान में रोजाना सिरोंज की जनता अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचती है। महिलाएं और बुजुर्ग विशेष रूप से विधायक को आशीर्वाद देने आते हैं। यहां विधायक खुद जनता की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान का प्रयास करते हैं।

यह मकान विधायक पंडित उमाकांत शर्मा के पूर्वजों की सात पीढ़ियों से जुड़ा हुआ है। उनके पूर्वजों के नाम निम्नलिखित हैंरू स्वर्गीय वीरमणि शर्मा, स्वर्गीय नयनमणि शर्मा, स्वर्गीय संतोषमणि शर्मा, स्वर्गीय गणपतिमणि शर्मा, स्वर्गीय परमानंदमणि शर्मा, स्वर्गीय पुष्करमणि शर्मा (ज्योतिषाचार्य), स्वर्गीय मुन्नीलालमणि शर्मा, चंद्रमोहनमणि शर्मा स्वर्गीय (अध्यापक और विधायक के पूज्य पिता), विधायक के परिवार में पंडित, ज्योतिष, शिक्षक और राजनेता जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हुए हैं। यह सिरोंज के लोगों के लिए गर्व की बात है कि इस परिवार ने हमेशा समाज की सेवा और विकास में योगदान दिया है। धार्मिक और सामाजिक योगदान इस निवास का विशेष महत्व इसलिए भी है, क्योंकि यह धार्मिक और ज्योतिषीय गतिविधियों का केंद्र है। विधायक के बड़े भाई पंडित नलिकांत शर्मा आज भी यहां पूजा और ज्योतिष से जुड़े कार्य करते हैं।

एक करोड़ खर्च फिर भी नहीं बदले तालाब के हालात, नपा फिर भेजा रिवाइज एस्टीमेट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर के प्राचीन तालाब के नाम पर, करोड़ों की राशि खर्च होने के बाद भी नगर पालिका परिषद आज तक इसकी तस्वीर नहीं बदल पाई है। वहीं सालों से तालाब गहरीकरण से लेकर विकास कार्य करवाने के लिए भी शासन से करोड रुपए की राशि आ चुकी है। उसके बाद भी हालात नहीं बदल सके है उल्टा तालाब अतिक्रमण धारियों के चंगुल में चला गया है। तालाब गहरीकरण के नाम पर भी गोलमाल करने के आरोप लगाते आ रहे हैं। एक बार फिर इसको सुंदर व्यवस्थित तालाब बनाने के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा विधायक के निर्देश रिवाइज ऐस्टीमेट बनाकर नई डीपीआर के अनुसार मंजूरी के लिए शासन को भेजने की तैयारी की जा रही है। लगभग 8 वर्ष पहले तत्कालीन एसडीएम चंद्र मोहन ठाकुर ने तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए बड़े शहरों की तर्ज पर निर्माण कार्य करवाने के लिए दो करोड़ 74

लाख रुपए की राशि मंजूर करवाई थी उसके बाद कुछ समय तो तेजी से काम हुआ पर इनके कार्यकाल के दौरान भी तालाब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गय तालाब में विकास कार्य करवाने के लिए भोपाल के ठेकेदार ने काम लिया था उसे अपना काम स्थानीय ठेकेदार को पेटी पर दे दिया इसके बाद कुछ दिनों तक यहां पर काम वह तत्कालीन अधिकारियों ने भी गंभीरता से काम नहीं करवाया इस वजह से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया साथ ही पेटी पर काम होने से स्थानीय ठेकेदार ने भी कुछ दिनों के बाद निर्माण कार्य बंद कर दिए फिर कुछ सालों के बाद नगर पालिका परिषद ने भोपाल के ठेकेदार नोटिस जारी जारी किए पर वह काम करने नहीं आया।

मेट्रो एंकर मोबाइल सीडिंग एवं आधार सत्यापन ईकेवायसी के कार्यो का संपादन

पात्र परिवारों को राशन वितरण की सूचना एसएमएस से, विशेष अभियान 21 से 30 तक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सम्मिलित पात्र हितग्राहियों को राशन वितरण की सूचना एसएमएस से प्रेषित करने की व्यवस्था का सुव्यवस्थित संचालन के निर्देश संबंधितों को दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के सभी पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए ईकेवायसी एवं पात्र परिवार को वितरित राशन सामग्री की जानकारी एसएमएस से प्राप्त हो सकें इसके लिए परिवार के किसी एक सदस्य का मोबाइल नम्बर डाटाबेस में दर्ज कराने के कार्यो में सहयोगप्रद करने का आव्हान संबंधितों से किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी आदेश का हवाला देते जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रशिम साहू ने बताााय कि लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत सितम्बर माह में नवीन परिवारो, सदस्यों को जोडा गया है। जिनके मोबाइल, सीडी एवं आधार सत्यापन ईकेवायसी शेष है उन सभी शेष हितग्राहियों के मोबाइल सीडिंग एवं

ईकेवायसी की समीक्षा सतत करने के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए गए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने मोबाइल सीडिंग एवं आधार सत्यापन तथा ईकेवायसी के कार्य अपेक्षित प्रगति परलिक्षित नहीं होने पर विशेष अभियान 21 से 30 जनवरी तक संचालित कर शेष सदस्यों की ईकेवायसी संबंधी तमाम कार्य पूर्ण किए जाएं। विशेष अभियान के संबंध में क्रियान्वित कार्यो की शत प्रतिशत प्राप्ति हो और मानिटरिंग करने एवं समीक्षात्मक बैठक आयोजित करने के परिपेक्ष्य में दिशा निर्देश सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को जारी किए गए है तदानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं एवं ग्राम पंचायत सचिव ध् वार्ड प्रभारी की बैठक आयोजित की जावे एवं अभियान के संबंध में अवगत कराया जावे। समस्त विक्रेताओं को घर-घर जाकर शेष सदस्यों की ईकेवायसी एवं मोबाईल सीडिंग किये जाने हेतु निर्देशित किया जाये। इस कार्य में ग्राम पंचायत सचिव ध् वार्ड प्रभारी द्वारा अपेक्षित सहयोग किया जायेगा। शासकीय उचित मूल्य दुकानवार प्रतिदिन की प्रगति से संबंधित सहायक ध् कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला आपूर्ति अधिकारी को अवगत कराया जाये। अभियान के दौरान ऐसे व्यक्ति जिनकी ई केवायसी नहीं हो पाई है की जानकारी कारण सहित सूची तैयार कराई जाये। शासकीय उचित मूल्य दुकान द्वारा यदि उक्त अवधि में अपेक्षित प्रगति नहीं की जाती है, इस स्थिति में संबंधित सहायक/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा म.प्र. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 की कंडिका 18 के अंतर्गत अनिवार्यतः प्रकरण निर्मित कर अनुविभागीय अधिकारी न्यायालय में प्रस्तुत करेंगे। उक्त कार्य के संपूर्ण पर्यवेक्षण हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के स्तर से खाद्य विभाग के साथ ही सहकारिता विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों को कर्तव्यस्थ किया जाये।

ऑस्ट्रेलिया हार के बाद बीसीसीआई के 10 सख्त नियम, घरेलू क्रिकेट खेलनी होगी

मुंबई. एजेंसी

टीम इंडिया के क्रिकेटर्स को अब घरेलू क्रिकेट खेलनी होगी। सीरीज के दौरान वे न तो विज्ञापन कर पाएंगे और न ही फैमिली के साथ सफर। प्रैक्टिस सेशन में रहना अब जरूरी कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3-1 से टेस्ट सीरीज की हार और भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में मनमुटाव की खबरों के बाद बीसीसीआई ने रात गाइडलाइन जारी की है। इसमें टीम में अनुशासन और एकजुटता बनाने के लिए 10 नए नियम बनाए गए हैं। इनके मुताबिक, बोर्ड ने निजी स्टाफ और खिलाड़ियों के परिवारों की उपस्थिति पर पांबदी लगाने का ऐलान किया है। खिलाड़ी सीरीज या टूर के दौरान व्यक्तिगत फोटोशूट नहीं कर सकेंगे।

बीसीसीआई की नई छह गाइडलाइन

1. फैमली के साथ ट्रैवल नहीं कर सकेंगे प्लेयर्स पूरे टूर के दौरान परिवार और पत्नियों के साथ सफर नहीं कर सकेंगे। खासतौर पर विदेशी दौरों पर यह नियम ज्यादा काम करेगा, ताकि खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस पर असर न पड़े। 45 दिन से कम के टूर के लिए परिवार और पत्नियां 7 दिन साथ रह सकेंगी। यदि किसी प्लेयर को फैमिली के साथ या अलग से यात्रा करनी है, तो हेड कोच और सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन से अनुमति लेनी होगी।
2. घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी होगा भारतीय टीम के खिलाड़ियों का डोमेस्टिक टूर्नामेंट में खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। इतना ही नहीं, टीम के चयन में डोमेस्टिक टूर्नामेंट के प्रदर्शन को आधार माना जाएगा। यदि कोई खिलाड़ी किसी कारण से डोमेस्टिक क्रिकेट नहीं खेलता है, तो इसकी जानकारी बोर्ड को देनी होगी। साथ ही सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन से अनुमति लेनी होगी।
3. ज्यादा सामान नहीं ले जा सकेंगे टूर में खिलाड़ी ज्यादा सामान नहीं ले जा सकेंगे। अगर खिलाड़ी के सामान का वजन ज्यादा है, तो इसके लिए खुद ही पैसे देने होंगे। बोर्ड ने वजन और सामान की भी अलग से गाइडलाइन्स जारी की हैं।

सीरीज के दौरान विज्ञापन नहीं, प्रैक्टिस सेशन में रहना जरूरी

4. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अलग से सामान भेजना सभी खिलाड़ियों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैप के दौरान सामान या व्यक्तिगत चीजें भेजने के लिए टीम मैनेजमेंट से संपर्क करना होगा। यदि अलग-अलग तरीके से कोई वस्तु भेजी जाती है। तब आने वाली एक्स्ट्रा लागत खिलाड़ी को उठानी होगी।
5. किसी दौरे या सीरीज में निजी स्टाफ नहीं होगा किसी भी सीरीज या दौरे में खिलाड़ी का निजी स्टाफ नहीं जाएगा। जब तक कि इसके लिए बोर्ड से अनुमति न मिल जाए। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय कोच गौतम गंभीर के मैनेजर गौरव अरोड़ा उनके साथ थे। वे टीम बस और ड्रेसिंग रूम में भी टीम के साथ देखे गए थे। यह फोटो 19 अक्टूबर 2024 की है, जो गौरव के बर्थडे पर पोस्ट की गई थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय कोच गौतम गंभीर के मैनेजर गौरव अरोड़ा उनके साथ थे। वे टीम बस और ड्रेसिंग रूम में भी टीम के साथ देखे गए थे। यह फोटो 19 अक्टूबर 2024 की है, जो गौरव के बर्थडे पर पोस्ट की गई थी।

6. प्रैक्टिस सेशन में मौजूद रहना अनिवार्य अब हर एक खिलाड़ी को प्रैक्टिस सेशन में मौजूद रहना ही होगा। कोई भी प्रैक्टिस सेशन को जल्दी छोड़कर नहीं जाएगा। सीरीज या टूर्नामेंट के दौरान एक वैन्यू से दूसरे वेन्यू पर टीम के साथ बस में ही जाना होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस: सर्बियाई स्टार ने तीसरे दौर में प्रवेश किया

जोकोविच ने सर्वाधिक ग्रैंड स्लेम एकल मैच खेले

मेलबर्न. एजेंसी

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ही जोकोविच ओपन एरा में सर्वाधिक एकल ग्रैंड स्लेम मैच (पुरुष-महिला) खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। टूर्नामेंट में सातवीं सीड जोकोविच ने कुल 430वां ग्रैंड स्लेम मुकाबला खेला और स्विट्जरलैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर (429 मैच) को पीछे छोड़ा।

मुझे कड़ी प्रतिस्पर्धा करना पसंद है...: मुझे इस खेल से प्यार है और प्रतिस्पर्धा करना पसंद है। मुझे ग्रैंड स्लेम खेलते हुए करीब 20 साल हो गए लेकिन मैं आज भी हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता हूं। - नोवाक जोकोविच

जोकोविच ने दूसरे दौर में जैमी फारिया को हराया

करियर का सौवां एकल खिताब जीतने की कोशिश में जुटे जोकोविच ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में पुर्तगाल के गैरवरीय खिलाड़ी जैमी फारिया को 6-1, 6-7, 6-3, 6-2 से शिकस्त देकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला चेक गणराज्य के 26वीं वरीय खिलाड़ी थॉमस मचाक से होगा, जिन्होंने अमरीकी खिलाड़ी रिली ओपेल्का को पांच सेट में 3-6, 7-6, 6-7, 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। पुरुष एकल में छठी सीड खिलाड़ी कैस्पर रुड की चुनौती दूसरे राउंड में ही थम गई। नॉर्वे के खिलाड़ी को चेक गणराज्य के जैकब मेनसिक ने 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। वहीं, स्पेन के तीसरी वरीय खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने जापान के केई निशिकोरी को सीधे सेटों में 6-0, 6-1, 6-4 से मात दी।

एक और उलटफेर...

महिला एकल में बड़ा उलटफेर हुआ, जब दूसरे दौर में चीन की ओलंपिक चैंपियन और पिछले बार की उपविजेता क्विनवेन झेंग दूसरे दौर में हार गई। पांचवीं वरीय चीनी खिलाड़ी को जर्मनी की लॉरा सिगमोंड ने 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

मां बनने के बाद ओसाका पहली बार तीसरे दौर में-

दो बार की पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में मां बनने के बाद ओसाका पहली बार किसी ग्रैंड स्लेम के तीसरे दौर में पहुंची हैं। गैरवरीय ओसाका ने चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को 1-6, 6-1, 6-3 से शिकस्त दी।

मेट्रो बाजार

रुपए में आई गिरावट बिगाड़ देगी घर का बजट, तेल-दालें होंगी महंगी!

नईदिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली. वैश्विक अनिश्चितता और अमरीका में सत्ता संभालने जा रही ट्रंप सरकार की संभावित नीतियों से डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट जारी है। हालांकि बुधवार को रुपए में 7 महीने की सबसे बड़ी इंट्राडे तेजी और डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे उछलकर 86.37 के स्तर पर रहा। पिछले तीन महीनों में डॉलर के मुकाबले रुपए में 3त्न की गिरावट हो चुकी है। यह गिरावट कुछ और दिन जारी रही तो वे सभी उत्पाद महंगे हो सकते हैं, जिनके कच्चे माल के लिए भारत आयात पर निर्भर है। इससे खाद्य तेल, दाल जैसे आइटम महंगे होंगे, हम इनके आयात पर निर्भर हैं। जानकारों के मुताबिक, अमरीका में फिलहाल ब्याज दरों में कटौती नहीं होगी। दूसरी तरफ ट्रंप सत्ता में आते ही डॉलर में मजबूती के लिए और कदम उठा सकते हैं। ऐसे में डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट जारी रहने की आशंका है। ऐसे में फरवरी, 2025 में आरबीआइ के लिए भी ब्याज दरों में कटौती करना आसान नहीं होगा। रुपए की कमजोरी शेयर बाजार में नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे विदेशी निवेशकों की बिकवाली बढ़ सकती है। रुपए में गिरावट महंगाई के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी विपरीत असर डाल सकता है। इससे देश का आयात बिल बढ़ेगा, जो चालू खाते के घाटे को बढ़ाएगा।

दिसंबर में एक्सपोर्ट 1 फीसदी घटा, व्यापार घाटा रहा 21.9 अरब डॉलर, तीन माह में सबसे कम

नईदिल्ली, एजेंसी

व्यापार घाटे के मोर्चे पर भारत के लिए राहत की खबर है। पिछले महीने भारत का व्यापार घाटा घटकर 21.94 अरब डॉलर रह गया, जो नवंबर 2024 में 32.84 अरब डॉलर था। देश का निर्यात दिसंबर, 2024 में सालाना आधार पर करीब एक फीसदी घटकर 38.01 अरब डॉलर रह गया, जो दिसंबर 2023 में 38.39 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में आयात सालाना आधार पर 4.8त्न बढ़कर 59.95 अरब डॉलर हो गया, जो 2023 के आखिरी महीने में 57.15 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, दिसंबर में ट्रेड ग्रोथ अच्छी रही। हालांकि पेट्रोलियम की कीमतों में आई गिरावट के कारण पिछले महीने निर्यात घटा। देश में सोने का आयात भी नवंबर के 9.8 अरब डॉलर से घटकर दिसंबर में 4.7 अरब डॉलर रह गया। सरकार ने नवंबर के आंकड़ों को बदलाव करते हुए गोल्ड के इंपोर्ट अनुमान में रेकॉर्ड 5 अरब डॉलर की कटौती की और इसे 14.86 अरबडॉलर से घटाकर 9.84 बिलियन डॉलर कर दिया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अभिनेता श्रेयस तलपड़े बोले

किसी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं की मैं खुद को साधारण एक्टर मानता हूं

श्रेयस तलपड़े जल्द ही कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, श्रेयस ने 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन की आवाज भी दी है। हाल ही एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया,मैं खुद को कभी भी कोई तीसमार खां नहीं मानता। मैं अपने आप को साधारण एक्टर मानता हूं। मुझे लगता है कि एक अभिनेता को हमेशा अपने क्राट पर काम करते रहना चाहिए। मैं पूरी ईमानदारी से निर्देशक के विजन का पालन करता हूं और मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं अपने काम को लेकर सच्चा हूं।'

होगा खास किरदार...: श्रेयस तलपड़े आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' में अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभा रहे हैं। पंकज त्रिपाठी द्वारा पहले निभाए गए इस किरदार पर उन्होंने कहा,मैंने पंकज त्रिपाठी की फिल्म नहीं देखी, ताकि उनका प्रभाव मुझ पर न पड़े। मैंने अपने तरीके से किरदार को निभाने की कोशिश की है।' महिला निर्देशन में काम करने के लिए उन्होंने कहा, निर्देशक चाहे महिला हो या पुरुष, उसकी तैयारी होती है।'

करता हूं नजरअंदाज: एक्टर ने कहा, 'किरदारों के मामले में मैं अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं। मैंने मराठी इंडस्ट्री से शुरुआत की थी। अब हिंदी व मराठी सिनेमा दोनों में सक्रिय हूं। मैंने कभी किसी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं की है। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया के दौर में ऐसी अफवाहें फैलना आम हो गया है। इन अफवाहों से मुझे तकलीफ होती है। मैं हमेशा ऐसी बातों को नजरअंदाज करता हूं।'

रवीना की बेटी राशा, बोलीं- 'उनके पास एक्सपीरियंस है, मैं उनसे सीख सकती हूं'

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी फिल्म आजाद के जरिए बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म के जरिए अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन भी अपने कॅरियर की शुरुआत करने जा रहे हैं। वहीं, लोग राशा की तुलना जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और सुहाना खान से कर रहे हैं। ऐसे में इन कमेंट्स पर हाल ही में राशा ने रिएक्ट किया।

राशा ने तोड़ी चुप्पी: जान्हवी, खुशी और सुहाना को टक्कर देने आई रवीना टंडन की बेटी... इन कमेंट्स के बारे में राशा ने कहा, मुझे लगता है कि वो सभी मुझसे बहुत ज्यादा एक्सपीरियंस हैं। उन्होंने पहले ही अपनी फिल्में पूरी कर ली हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं उनसे कुछ सीख सकती हूं। राशा की फिल्म आजाद 17 जनवरी को आएगी।

महिला प्रधान फिल्म: यह एक महिला प्रधान एक्शन फिल्म है, जिसमें सामाजिक मुद्दों को मार्मिक ढंग से उठाया गया है। फिल्म में रोमांच और इमोशन का अनोखा तालमेल देखने को मिलेगा। फिल्म के फर्स्ट लुक को लेकर अंजना सिंह ने कहा कि यह बेहद असरदार तस्वीर है, जो फिल्म के एक हिस्से से रूबरू करवाती है। यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है।

पिता ने किया खुलासा: ऑडिशन के दौरान विक्की ने झेले अपमान

स्टंट निर्देशक शाम कौशल ने हाल ही में अपने बेटों, विक्की कौशल और सनी कौशल के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने दोनों के करियर बनाने की कोशिश के बीच की चुनौतियों के बारे में भी खुलासा किया। शाम ने साझा किया कि करियर की शुरुआत में विक्की ने ऑडिशन के दौरान कितनी अस्वीकृतियों के साथ अपमान के क्षणों को भी झेला है। स्टंट निर्देशक ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने बेटों को अपने सपनों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके मुताबिक वह यह भी चाहते थे कि दोनों कड़ी मेहनत और अनुशासन के मूल्य को समझें।

बेटों के फैसले पर हुआ आश्चर्य

शाम के अनुसार विक्की और सनी दोनों नियमित स्कूल गए, क्योंकि इसके पीछे का मकसद उन्हें जीवन के प्रति एक जमीनी नजरिया विकसित करने और उन्हें केंद्रित रखना था। शाम ने आगे खुलासा किया कि जब दोनों बेटों ने फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने में रुचि व्यक्त की तो उन्हें शुरू में आश्चर्य हुआ, क्योंकि उन्होंने उनके उस रास्ते पर जाने की योजना नहीं बनाई थी।

हमेशा किया दोनों का समर्थन

हालांकि, इसके बाद भी उन्होंने दोनों का समर्थन किया, क्योंकि खुद भी वह फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए शाम ने कहा कि मैं भी एक गांव से आया हूं और कड़ी मेहनत करता हूं, इसलिए मेरा मानना था कि अगर वे ईमानदार रहे और प्रयास करते रहे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी।

कभी नहीं की सिफारिश

शाम ने ये बातें फाइडे टॉकीज के साथ एक साक्षात्कार में कहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अपने बेटों को भूमिकाएं दिलाने के लिए कभी भी उन्होंने मदद नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि मैं एक एक्शन निर्देशक था, फिर भी मैंने कभी किसी को काम देने के लिए संपर्क नहीं किया।

72 साल की महिला के गले से चोरी हुई थी चेन पुलिस ने पकड़ा था महिला चोर गिरोह

अख़बार मे फोटो देखने के बाद दर्ज कराई चोरी की रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा इलाके में महिला के साथ हुई सवा लाख की चैन लूट में गिरफ्तार दिल्ली के महिला चोर गिरोह ने शहर के कई अन्य इलाकों में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। अखबार में छपी आरोपी महिलाओं की फोटो देखने के बाद एक बुजुर्ग महिला ने जहांगीराबाद थाने पहुंचकर चेन चोरी का केस दर्ज कराया है। आरोपी महिला ने बुजुर्ग के गले से बैटरी आटो में सवार के दौरान वारदात को अंजाम दिया था।

जानकारी के अनुसार विमल श्रीजैन (72) जैन मंदिर के पास शंकराचार्य नगर थाना स्टेशन बजरिया में रहती हैं। पिछले महीने 19 दिसंबर को दोपहर करीब तीन बजे वह भारती टाकीज के बैटरी वाले आटो में बैठकर जहांगीराबाद स्थित जैन मंदिर जा रही थी। उनके आटो में सवार होने से पहले एक महिला पहले से आटो में बैठी हुई थी। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे विमल श्रीजैन जहांगीराबाद स्थित जैन मंदिर के सामने आटो से उतर गई, जबकि वह महिला उसी आटो से आगे निकल गई। आटो से उतरने के बाद विमल श्रीजैन ने देखा तो उनके गले में पहनी सोने की 2 तोला वजनी चेन नहीं थी। चेन पुरानी होने के कारण कीमत 50 हजार रुपए बताई गई थी। पिछले दिनों कोहेफिजा पुलिस ने एक महिला के गले से सवा लाख रुपये चेन चोरी के मामले में दिल्ली की चार महिलाओं को गिरफ्तार किया था, जबकि उनका एक साथी भागने में सफल रहा।

महिलाओं के कब्जे से चोरी की चेन और वारदात में उपयोग की गई एक कार बरामद की गई थी। अखबारों जब इन महिलाओं की फोटो छपी तो विमल श्रीजैन एक महिला को पहचान गई। उसी महिला ने भारत टाकीज से जहांगीराबाद जाते समय आटो में उनके गले से चेन चोरी की थी। फोटो देखने के बाद बुजुर्ग महिला ने बुधवार को थाने जाकर चैन चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

सड़क से निकलने की बात पर विवाद, चाकू से हमला करने वाले तीनों आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित शंकराचार्य नगर जैन मंदिर के पास युवक पर तलवारनुमा चाकू से हमला करने वाले तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 12 जनवरी को तीनों बदमाशों ने युवक और उसकी मदद करने आए उसके दो दोस्तों पर चाकू से हमला कर दिया था। हमले के बाद आरोपी भोपाल से फरार हो गए थे और पचमढ़ी घूमने निकल गए थे। हमले के बाद तीनों पचमढ़ी हो गए फरार, तलवारनुमा चाकू बरामद पुलिस के अनुसार शंकराचार्य नगर थाना स्टेशन बजरिया निवासी तरुण जैन पिता कचरूमल जैन (26) किराना दुकान पर बैठते हैं। गत 12 जनवरी रविवार शाम करीब साढ़े 6 बजे वह जैन मंदिर के पास महावीर किराना स्टोर्स के सामने अपने दोस्त राहुल सोलंकी के साथ खड़े थे। इस दौरान मोहल्ले में रहने वाला अविनाश बौध्द, अमित उर्फ छोटू व पुन्नी पहुंचे। उन्होंने तरुण से सड़क से हटने का कहा। इस बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने तरुण पर तलवारनुमा चाकू से हमला कर दिया। चाकू तरुण के सिर पर लगा था। दूसरा वार होता इससे पहले राहुल सोलंकी और वहां से गुजर रहे प्रदीप ठाकुर, संजय साहू व किराना स्टोर के मोहित जैन ने आकर बीच बचाव किया। बीच बचाव में प्रदीप ठाकुर व संजय साहू को भी चाकू लगा था। चाकू लगने से तरुण खून से लतपथ हो गया था। उसे राहुल व मोहित जैन ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तरुण की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। घटना के कुछ समय पुलिस ने आरोपी

सटोरिया और जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

भोपाल। टीला जमालपुरा सट्टा लिख रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम को एफआरवी पर तैनात एएसआई धनसिंह को सूचना मिली कि इंद्रानगर काम्पलेक्स के पास मौजूद एक युवक सट्टा लिख रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम अकील खान निवासी पुलिस चौकी के सामने, इंद्रानगर थाना टीला जमालपुरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास सट्टा पर्ची और सवा तीन सौ रुपये नकद जब्त हुए। इधर टीटी नगर पुलिस ने शिवनगर के पास सट्टा लिख रहे रवि साहू निवासी जहांगीराबाद को गिरफ्तार कर उसके पास रखे 665 रुपए और सट्टा पर्ची जब्त की है। ऐशबाग पुलिस ने हाउसिंग बोर्ड कालोनी में जुआ खेल रहे पांच जुआरियों को गिरफ्तार कर बारह सौ रुपए नकद और ताश पत्ते जब्त किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

व्यापारी के सूने मकान से लाखों की चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अलमारी में रखा कैश और जेवरात ले उड़े चोर

कमरों में खुले में पड़े चांदी के बर्तन समेत लाखों का माल छोड़ गए

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित ईदगाह हिल्स के प्रभु नगर में व्यापारी के सुने मकान से बदमाश नगदी समेत लाखों के जेवरात चुराकर ले गए। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है। प्रभु नगर निवासी मनोज कुमार जैन व्यापारी है और मंगलवारा में उनका होलसेल का कारोबार है।

14 जनवरी को वो अपने परिवार के साथ जबलपुर गए हुए थे। जिसके चलते उन्होंने अपने छोटे भाई संजय जैन (49) को घर की देखरेख करते रहने के लिए कहा था। गुरुवार को मनोज जैन के भाई संजय जैन सुबह करीब 8 बजे जिम जाने के लिए निकले तो वो इससे पहले मनोज के घर पहुंचे, जहां उन्होंने घर का दरवाजा खुला देखा, जब वो घर के अंदर पहुंचे तो सामान बिखरा पड़ा हुआ था और अलमारी टूटी पड़ी थी। जिसके बाद संजय ने तत्काल पुलिस को जानकारी दी ।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर निरीक्षण किया डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम ने भी मौके से सबूत एकत्रित किए। जिस मकान में चोरी हुई थी वहा सीसीटीवी नही लगे हुए थे हालांकि पुलिस ने आस पास के सीसीटीवी खंगाले तो 2 चोरों का सुराग मिला, वही चोरी को लेकर ये भी जानकारी मिली है कि ये वारदात बुधवार-गुरुवार रात 3 से 5 बजे के बीच हुई। चोरी की जानकारी लगने के बाद मकान के मालिक मनोज जैन भी बुधवार शाम को भोपाल पहुंच गए।

घर में लाखों का खुला सामान छोड़ गए चोर

मकान के कमरे में चांदी के बर्तन और लाखों का इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान भी रखा हुआ था लेकिन चोर वो सभी सामान छोड़ गए, और अलमारी में रखे लाखों के जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गए। चोरी इससे ज्यादा की बताई जा रही है फिलहाल चोरी गए माल का पूरी तरह से आंकलन नही किया जा सका है।

पुलिस को देखते ही भागे शराब तस्कर पीछा कर दबोचा, दो गिरफ्तार

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 63 लीटर अवैध देश शराब बरामद की है। बरामद शराब और बाइक की कीमत एक लाख 25 हजार रुपए बताई गई है। बताया जा रहा है कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेरांबदी की थी। पुलिस का देखते ही आरोपियों ने भागने का प्रयास किया लेकिन पीछा कर पुलिस ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया। आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। 63 लीटर शराब बरामद, ग्रामीणों इलाके में अवैध शराब की सप्लाई करते थे पुलिस के मुताबिक विगत 15 जनवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि ईसाई कब्रिस्तान के पास हलालपुरा क्षेत्र से पल्सर बाइक पर सवार अज्ञात व्यक्ति अवैध शराब बेचने के लिए लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने हरकत में आई और इलाके में नाकाबंदी कर दी। दूसरी ओर सीहोर की ओर से आ रही पल्सर बाइक पर सवार दो लोगों ने पुलिस को देखते ही गाड़ी बैक कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने काफी दूर पीछा कर दोनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से सात पेटी देशी मदिरा की बरामद हुई। आरोपियों के नाम अनिल राय (31) और चांद खां (45) दोनों निवासी सेकड़ाखेड़ी कोतवाली सीहोर बताए गए हैं। पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वह ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब बेचने के लिए ले जा रहे थे।

9 साल की बच्ची से अश्लील हरकत, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र में 9 साल की बच्ची से 35 साल के युवक द्वारा अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी शादीशुदा और बच्चों का पिता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 9 साल की बच्ची बुधवार को अपनी छोटी बहने के साथ घर पर थी, जबकि उसकी मां पास ही एक शिक्षण संस्थान में काम करने गई थी। इसी बिल्डिंग में किराए से रहने वाला 35 साल का युवक भी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता है और प्रायवेट काम करता था। बुधवार सुबह करीब ग्यारह बजे युवक बच्ची के घर पहुंचा और उसकी मां के बारे में पूछा। बच्ची ने

बताया कि मां सामने ही काम करने गई हैं। इसके बाद युवक घर के अंदर घुस गया और बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने लगा। बच्ची शोर मचाते हुए घर के बाहर भागी और दोड़कर मां के पास पहुंची। उसने बताया कि अंकल उसने साथ गंदी हरकत कर रहे हैं। मां बेटी को लेकर तत्काल थाने पहुंची और घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

छुरी लेकर घूम रहा युवक पकड़ा

भोपाल। जहांगीराबाद पुलिस ने एक युवक को छुरी के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पहले से करीब सात अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि बुधवार की रात करीब आठ बजे सूचना मिली कि जेल तिराहे के पास एक युवकी हथियार लेकर घूम रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदेही ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम कमल सिंह ठाकुर (25) निवासी गल्ला मंडी पुलिस चौकी के पास बरखेड़ी जहांगीराबाद बताया। तलाशी लेने पर जैकेट के अंदर एक बड़ी छुरी रखी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

ओवर नाईट एक्सप्रेस में महिला का 2.10 लाख का माल चोरी

कई यात्रियों के मोबाइल और पर्स उड़ाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ओवर नाईट एक्सप्रेस में जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रहे एक युवक की पत्नी की पर्स चोरी हो गया. चोरी गए पर्स में नकदी और मोबाइल फोन समेत करीब 2.10 लाख रुपये का सामान रखा हुआ था. इसी प्रकार कई अन्य यात्रियों के मोबाइल फोन और सामान चोरी हुआ है. जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. जानकारी के अनुसार जलगांव महाराष्ट्र निवासी दर्शन डेमला अपनी पत्नी जिया के साथ ओवर नाईट एक्सप्रेस के एसी कोच में जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रहे थे।

इस दौरान उनकी पत्नी ने अपना पर्स सिरहाने रखा हुआ था. संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन निकलने पर पत्नी की नींद खुली तो पता चला कि पर्स नहीं है. उन्होंने इसकी जानकारी दर्शन को दी. दर्शन ने कोच में पर्स की तलाश की, लेकिन नहीं मिला. चोरी गए पर्स में 95 हजार रुपए नकद, 77 हजार रुपए का आईफोन, 25 हजार रुपए की एयरबड्स, एक जेंट्स पर्स जिसके अंदर 2 हजार रुपये

रखे थे, महिला एसयूवी और बुलेट बाइक की आरसी बुक, आधार कार्ड, 10 हजार रुपए कीमत के मोबाइल चार्जर समेत करीब 2.10 लाख रुपये का माल रखा हुआ था।

जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. युवक-युवती के मोबाइल फोन चोरी होशंगाबाद निवासी रौनक तेकाम कर्नाटका एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से इटारसी की यात्रा कर रहे थे. भोपाल स्टेशन से ट्रेन चलने पर देखा कि पैंट की जेब में रखा उनका मोबाइल फोन गायब है।

चोरी गए मोबाइल की कीमत 14 हजार रुपए बताई गई है. इसी प्रकार भोपाल निवासी भारती पंचवेली एक्सप्रेस में भोपाल से बैतूल की यात्रा कर रही थी।

रेलवे स्टेशन ट्रेन चलने के बाद भारती ने देखा तो उनकी स्वेटर की जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो चुका है. चोरी गए मोबाइल की कीमत 14 हजार रुपये बताई गई है. जीटी एक्सप्रेस में मोबाइल चोरी चेन्नई निवासी डी. इबिनेशर पिछले दिनों जीटी एक्सप्रेस में चेन्नई से नई दिल्ली की यात्रा कर रहे थे।

इस दौरान उनका एक कीमती मोबाइल फोन चोरी हो गया. नई दिल्ली जीआरपी से केस डायरी आने के बाद पुलिस ने मोबाइल चोरी का मामला दर्ज कर लिया है. इसी प्रकार वेरावल एक्सप्रेस में रतलाम से जबलपुर की यात्रा कर रही एक युवती का बैग चोरी हो गया. चोरी गए बैग में पांच हजार रुपये नकदी, आधार कार्ड, मोबाइल चार्जर समेत अन्य सामान रखा हुआ था।

मेट्रो एंकर आर्मी की मैराथन, बदला रहेगा ट्रैफिक

द्रोणाचल योद्धा स्थल एयरपोर्ट रोड से न्यूमार्केट तक बदलाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रविवार सुबह 6 बजे से आर्मी मैराथन का आयोजन द्रोणाचल योद्धा स्थल एयरपोर्ट रोड मिलिट्री स्टेशन से भोपाल में किया जाना प्रस्तावित हैं। मैराथन के चलते ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। यह मैराथन दौड़ 21 किलोमीटर की होनी तय है। दौड़ सुबह 6 बजे योद्धा स्थल से शुरू होकर मेन गेट से सिंगार चोली, लालघाटी चौराहा, वीआईपी रोड, रेत घाट, पॉलिटेक्निक चौराहा बाण गंगा चौराहा, रोशनपुरा चौराहा, अपैक्स बैंक तिराहा, प्लेटिनम प्लाजा अटलपथ से इसी मार्ग पर यू-टर्न होकर योद्धा स्थल पर समाप्त होगी।

- दौड़ 10 किलोमीटर दौड़ सुबह साढ़े 6 बजे योद्धा स्थल से शुरू होकर मेन गेट से सिंगार चोली, लालघाटी चौराहा, वीआईपी रोड, कोहेफिजा रोटरी से इसी मार्ग पर यू-टर्न होकर योद्धा स्थल पर समाप्त होगी।

- 05 किलोमीटर दौड़ सुबह 7 बजे से योद्धा स्थल से शुरू होकर मेन गेट से सिंगार चोली, दाता कालोनी, लालघाटी चौराहा से इसी मार्ग पर यू-टर्न होकर योद्धा स्थल पर समाप्त होगी।

उपरोक्त दौड़ मार्ग को सुरक्षित रखने, कार्यक्रम में भाग लेने वाले धावकों को पार्किंग स्थल तक पहुंचाने व आम यातायात, वाहनों को अपने गन्तव्य स्थल तक पहुंचने के लिए निम्नानुसार- पार्किंग डायवर्सन की योजना रहेगी।

कार्यक्रम स्थल:- मैराथन में भाग लेने वाले योद्धा स्थल द्रोणांचल तक पहुंचने के लिए अपने रजिट्रेशन की हार्ड कॉपी के साथ सभी ओर के मार्गों से आ सकेंगे। दो-पहिया वाहन जौहरी फार्म हाउस योद्धा स्थल के सामने, चार-पहिया वाहन स्टेंट हेंगर, नायरा पेट्रोल पंप के पास पार्किंग, बस वाहन ओल्ड एयरपोर्ट रोड हनुमान मंदिर के सामने पार्क होंगे।

आवश्यकतानुसार परिवर्तित मार्ग

- एयरपोर्ट पहुंचने के लिए सामान्य रूप से एयरपोर्ट जाने के लिए सभी वाहन, भारी तथा मालवाहक वाहनों को छोड़कर प्लेटिनम प्लाजा से रोशनपुरा, बाणगंगा, पॉलिटेक्निक चौराहा, रेतघाट, वीआईपी रोड, लालघाटी चौराहा होकर एयरपोर्ट जा सकेंगें। विपरीत परिस्थिति में आवष्यकता पड़ने पर उक्त मार्ग के स्थान पर लिलि चौराहा, हमीदिया रोड, बस स्टैंड, जेपी ओवर ब्रिज, बेस्ट प्राइज करोंद, गांधीनगर होकर जा सकेगें।

- एयरपोर्टए, गांधीनगर से नये भोपाल, मुख्य बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन की ओर आने वाले वाहन- गांधीनगर फ्लाई ओवर ब्रिज के नीचे से नई जेल रोड, करोंद चौराहा, बेस्ट प्राइज से जेपी ओवर ब्रिज, हमीदिया रोड होकर नए शहर की ओर जा सकेगें।

युवती का दैहिक शोषण, फिर शादी से किया इंकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती को शादी का झांसा देकर युवक ने करीब सात साल तक दैहिक शोषण किया और बाद में शादी करने से इंकार कर दिया। समझाइश के बाद भी जब युवक शादी के लिए तैयार नहीं हुआ तो पीड़िता ने महिला थाने जाकर उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवा दिया।

आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 26 साल की युवती की पहचान करीब 7 साल पहले शाहनवाज नामक युवक से हुई थी। शाहनवाज स्वयं का व्यवसाय करता है। कुछ ही दिनों के भीतर दोनों के बीच दोस्ती हो गई और वह एक-दूसरे के साथ घूमने-

फिरने लगे। इस दौरान शाहनवाज ने युवती को शादी करने का झांसा दिया और उसका शारीरिक शोषण करने लगा। युवती जब भी शादी की बात करती तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर उसे टाल देता था। पिछले करीब दो महीने से शाहनवाज ने युवती का फोन उठाना भी बंद कर दिया। काफी प्रयास के बाद भी जब शाहनवाज शादी करने के लिए तैयार नहीं हुआ तो पीड़िता ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022